हिंदी दैनिक अखबार

बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना, शनिवार, 07 दिसम्बर 2024 वर्ष : 5, अंक : 161 पृष्ठ : 8, मूल्य : 2.00 रु web_dainikbiharpatrika.com Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

बांग्लादेश के सुनामगंज में हिंदुओं के घरों, दुकानों और मंदिरों पर हमला

एजेंसी, ढाका । बांग्लादेश में सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्ण कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के बाद चुन-चुनकर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। दुनियाभर में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर जुल्म-ओ-सितम की तीखी आलोचना हो रही है। इस सबके बीच सुनामगंज में चिंताजनक घटना सामने आई है। यहां फेसबुक पोस्ट के बाद हिंदुओं के घरों और मंदिरों पर हमले के बाद तनाव बढ़ गया है।ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, 21 वर्षीय हिंदू युवक आकाश दास की फेसबुक पोस्ट पर जारी एक तस्वीर से दूसरे समुदाय के लोग भड़क गए। नफरत की आंधी ने मंगलवार रात सुनामगंज के दोवाराबाजार उपजिला के सुदूरवर्ती गांव मंगलारगांव में कोहराम मचाया। हिंदुओं के घरों, दुकानों और मंदिरों पर जमकर तोड़फोड़ की गई। दोवाराबाजार पुलिस स्टेशन के प्रभारी जाहिदुल हक ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि भीड़ के गुस्से को देखते हुए आकाश को हिरासत में ले लिया गया।

अरविंद केजरीवाल की याचिका पर जल्द सुनवाई से हाई कोर्ट का इनकार

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से चार्जशीट पर लिए गए संज्ञान को चुनौती देने वाली दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया। जस्टिस मनोज कुमार ओहरी की बेंच ने जल्द सुनवाई से इनकार किया। हाई कोर्ट में मामले की सुनवाई पहले से नियत तिथि 20 दिसंबर को होगी। उल्लेखनीय है कि 21 नवंबर को दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ ईडी की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने के आदेश पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया था और अगली सुनवाई 20 दिसंबर को तय किया था। सुनवाई के दौरान केजरीवाल की ओर से पेश वकील एन हरिहरन ने कहा था कि ट्रायल कोर्ट ने ईडी के चार्जशीट पर अभियोजन चलाने के लिए जरूरी अनुमति के संज्ञान ले लिया जो कानूनी रूप से वैध नहीं है।

अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन कर प्रधानमंत्री ने कहा-आज दिल्ली पूर्वोत्तरमय हो गई

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने अष्टलक्ष्मी महोत्सव को समर्पित डाक टिकट का भी विमोचन किया। पहली बार मनाया जा रहा तीन दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव 8 दिसंबर तक चलेगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत संविधान निर्माता डॉ. भीमराम अंबेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित कर की। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का बनाया संविधान और संविधान के 75 वर्ष के अनुभव देशवासियों के लिए प्रेरणा हैं। भारत मंडपम के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में यह स्थान जी-20 के सफल आयोजन सहित अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों का साक्षी बना है। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली पूर्वोत्तरमय हो गई है। पूर्वोत्तर के विविधता भरे रंग आज राजधानी में सुंदर इंद्रधनुष बना रहे हैं। यह तीन दिवसीय महोत्सव पूरे देश और विश्व को पूर्वोत्तर का सामर्थ्य दिखाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह महोत्सव पूर्वोत्तर के किसानों, कारगीरों, शिल्पकारों के साथ-साथ दुनिया के निवेशकों के लिए भी बेहतर अवसर है।

शंभू बार्डर से किसानों का जत्था लौटा

अंबाला में नौ दिसंबर तक इंटरनेट सेवाएं बंद

एजेंसी, चंडीगढ़

हरियाणा-पंजाब की सीमा पर आंदोलन कर रहे किसानों ने शुक्रवार को दिल्ली कूच का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने भारी बल की मद्द से उसे विफल कर दिया। हालांकि पुलिस और किसानों के बीच यहां करीब तीन घंटे तक हंगामा चला। किसानों ने अंबाला में लगे बैरीकेड उखाड़ने का प्रयास किया, लेकिन विफल रहे। इस हंगामे में एक दर्जन से अधिक किसान घायल हो गए। किसानों ने दिल्ली कूच का फैसला फिलहाल टाल दिया है। इस बारे में अब दोबारा नई रणनीति का ऐलान किया जाएगा। किसानों ने पुलिस द्वारा फायरिंग किए जाने का भी दावा किया है। वहीं अंबाला में आज से नौ दिसंबर तक इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर पिछले 297 दिनों से कैंप लगाकर बैठे किसानों ने आज दोपहर एक बजे 101 किसानों का पहला जत्था दिल्ली के लिए रवाना किया गया। इसके बाद किसानों ने बैरिकेड और कंटीले तार उखाड़ दिए। इस पर हरियाणा पुलिस ने उन्हें चेतावनी दी और आंसू गैस के गोले छोड़ें। जिससे अफरा-तफरी मच गई और किसान आसपास के गांवों की

तरफ भागने लगे। कई किसान हरियाणा की सीमा में दाखिल हुए, जिन्हें पुलिस ने लाठीचार्ज करके उन्हें पीछे खदेड़ दिया। इस बीच शंभू बार्डर पर कई घंटे तक पुलिस और किसानों के बीच रूक-रूक कर झड़प होती रहीं। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि आज कूच को फिलहाल टाल दिया गया है। देर रात या कल सभी संगठनों के प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक होगी, जिसमें आगामी रणनीति तैयार की जाएगी। संभवतः आठ नवंबर को दोबारा 101 किसानों को जत्था दिल्ली कूच करेगा। पंधेर ने कहा कि आज हरियाणा पुलिस की तरफ से किए गए लाठीचार्ज व फायरिंग में कई किसान घायल हुए हैं। अभी उन सभी किसानों का उपचार करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कूच को किसी भी सूरत में टाला नहीं जाएगा।

अंबाला में इंटरनेट सेवाएं नौ दिसंबर तक बंद

किसानों द्वारा दिल्ली कूच के आज ऐलान को देखते हुए हरियाणा सरकार ने अंबाला जिले में नौ दिसंबर तक इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। यहां अंबाला जिले के सीमावर्ती 11 गांवों में एहतियातन स्कूलों में भी आज छुट्टी कर दी गई थी। मुख्य सचिव ने किसानों के दिल्ली कूच को देखते हुए अंबाला के डंगदेहरी, लोहगढ़, मानकपुर, डडियाना, बारी घेल, लहर्स, कालू माजरा, देवी नगर, सद्दोपुर, सुल्तानपुर और काकरू के क्षेत्र में नौ दिसंबर तक इंटरनेट सेवाएं बंद करने के आदेश जारी किए हैं। हालांकि इस दौरान मोबाइल रिचार्ज और बैंक एसएमएस को लेकर छूट दी गई है।

राज्यसभा में नोटों की बरामदगी को लेकर हंगामा

कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

एजेंसी, नई दिल्ली

राज्यसभा में आज हंगामे के कारण गैर सरकारी सदस्यों के विधेयकों पर चर्चा नहीं हो सकी और सदन की कार्यवाही सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। भोजनावकाश के बाद सदन की कार्यवाही शुरू हुई। भाजपा सांसदों ने शुक्रवार को सदन में नोटों की बरामदगी को लेकर कांग्रेस से जवाब मांगते हुए नारे लगाए। उपसभापति हरिवंश ने सत्ता पक्ष के सदस्यों को शांत कराने का प्रयास किया। उन्होंने सदस्यों से कहा कि सदन की कार्यवाही चलने देना चाहिए। उन्होंने आईयूएमएल राज्य सदस्य अब्दुल वहाब से एजेंडे में उनके नाम के तहत सूचीबद्ध अपना प्रस्ताव पेश करने को कहा। जब वहाब अपना प्रस्ताव पढ़ रहे थे, तब सत्ता पक्ष के सदस्य खड़े होकर नारे लगाते रहे। उसी दौरान विपक्ष के कुछ सदस्य भी बोलने लगे, लिहाजा उपसभापति ने सदन की कार्यवाही सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले सुबह सदन की कार्रवाही शुरू होते ही सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि गुरुवार को सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने सूचित किया कि सीट नंबर 222 के पास से नकदी बरामद हुई है। यह सीट तेलंगाना से राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित है। इस मामले की जांच नियमों के अनुसार की जा रही है। सभापति ने जैसे ही यह बात कही, विपक्षी सांसद नाराज हो गए और शोर मचाने लगे। सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बीच में खड़े हो कर कहा कि नियमों के तहत जांच होनी चाहिए। जब तक मामले की जांच चल रही है और यह साबित नहीं हो जाता, तब तक सभापति को अभिषेक मनु सिंघवी का नाम नहीं लेना चाहिए था। इस पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि यह असाधारण घटना है, इसकी जांच होनी चाहिए।

सड़क हादसों में 12 लोगों की मौत

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत और चित्रकूट जिलों में हुए सड़क हादसों में 12 लोगों की मौत हो गई है और 10 लोग घायल हुए हैं। घायलों में दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। पहली घटना पीलीभीत जिले की है। जिले में टनकपुर हाइवे पर न्यूरिया कस्बे में बेकाबू होकर कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में दुल्हन के पिता समेत छह लोगों की मौत हो गईं, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। जान गंवाने वालों में उत्तराखंड निवासी शरीफ अहमद (50), बहाबुद्दीन (60), मुन्नी देवी (65), राकिब (10), वाहन चालक अकरम (35) और 65 वर्षीय मंजूद अहमद हैं। घायलों में आठ साल का गुलाम अहमद, रईस, अमजदी, जाफरी बेगम हैं। इनमें गुलाम और रईस की हालत नाजुक है। न्यूरिया थानाध्यक्ष रूपा बिष्ट ने बताया कि खटीमा कोतवाली के ग्राम जोर निवासी

हुसना बी का निकाह पीलीभीत के ग्राम चंदोई निवासी अनवर से बुधवार को हुआ। अनवर ने गुरुवार को वलीमा (दावत) अपने घर पर रखी थी। इसमें शामिल होने के लिए लड़की पक्ष के लोग आए थे। कार में कुल 10 लोग सवार थे। गुरुवार रात को टनकपुर हाई-वे के पास ओवरटेक करने के दौरान अनियंत्रित कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हुए हैं। दूसरा हादसा चित्रकूट जिले में झांसी-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग की है।

राहुल-प्रियंका ने लाल संविधान हाथ में ले सरकार को घेरा

अडानी मामले पर भाई-बहन की जोड़ी दिखी आक्रामक

एजेंसी, नई दिल्ली

अडानी मुद्दे पर विपक्ष मोदी सरकार को घेरने का कोई अवसर हाथ से जाने नहीं दे रहा है। खासकर कांग्रेस संसद के अंदर बाहर मिल रहे मौके को हाथ से नहीं गंवाना चाहती है। इसी क्रम में आज शुक्रवार को लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही अडानी का मुद्दा सदन में फिर गूंजा है। विपक्षी सांसदों ने इस मुद्दे को लेकर जोरदार हंगामा किया। हंगामें के चलते लोकसभा की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित कर दी गई। यहां कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और

वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने इस मुद्दे पर संसद के बाहर भी आवाज बुलंद की है। विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में संविधान की लाल कॉपी लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में राहुल गांधी के साथ उनकी बहन प्रियंका गांधी भी संविधान की लाल कॉपी हाथ में लिए नजर आईं हैं। विपक्षी सांसद मुंह पर काला मास्क लगाकर विरोध प्रदर्शन करते नजर आए हैं। गौरतलब है कि संसद का शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह हंगामें की भेंट चढ़ने के बाद दूसरे सप्ताह गतिरोध टूटा, लेकिन अंतिम दिन शुक्रवार को पुनः हंगामा देखने को मिला है। इस समय विपक्ष के सदस्य अडानी मामले के साथ ही संभल हिंसा को लेकर मोदी सरकार पर काफी आक्रामक रुख अख्तियार किए हुए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद के अंदर ही नहीं बाहर भी अडानी मामले को लेकर मोदी सरकार पर हमलावर हैं। ऐसे में राहुल की बहन प्रियंका गांधी भी उनके साथ मिलकर अडानी मामले को बड़ा मुद्दा बनाने में जुटी हुई हैं। भाई-बहन की यह जोड़ी मौजूदा समय में केंद्र सरकार पर एक के बाद एक तीखे तीर छोड़ रही है।

विदेश सचिव 9 दिसंबर को जाएंगे बांग्लादेश

एजेंसी, नई दिल्ली

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री 9 दिसंबर को बांग्लादेश जाएंगे। इस दौरान वे अपने समकक्ष और अन्य नेताओं एवं अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज इसकी जानकारी दी।दूसरी ओर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों खासकर हिन्दुओं के हालात और हिन्दू धर्माचार्यों की गिरफ्तारी के मुद्दे पर प्रवक्ता ने भारत के रुख को एक बार फिर दोहराया और कहा कि लोगों के कानूनी अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए और उन्हें स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ट्रायल मिलना चाहिए।

संसद का शीतकालीन सत्र : महापरिनिर्वाण दिवस पर संसद के लॉन में बाबासाहब आंबेडकर को दी गई श्रद्धांजलि

एजेंसी, नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे सप्ताह का आज 06 दिसंबर शुक्रवार को अंतिम दिन है। आज सुबह संसद की कार्यवाही शुरु होने से पूर्व संविधान निर्माता बाबासाहब भीमराव आंबेडकर के महानिर्वाण दिवस पर उन्हें संसद के लॉन में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही शुरु होते ही विपक्ष के सांसदों ने जय संविधान के नारे लगाने शुरु कर दिए। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने नाराज़गी जाहिर करते हुए कहा कि सदन की गरिमा को बनाए रखें और सदन चलाने में सहयोग करें। हंगामा बढ़ता देख लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। शीतकालीन सत्र के दूसरे हफ्ते का आज अंतिम दिन भी लोकसभा की कार्यवही हंगामें की वजह से दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी है। इससे पहले 06 दिसंबर शुक्रवाकर को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले संविधान निर्माता बाबासाहब भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर संसद के लॉन में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही प्रारंभ होते ही विपक्ष के सांसदों ने जय संविधान के नारे लगाने शुरु कर दिए। विपक्ष के व्यवहार से स्पीकर ओम बिरला ने नाराज़गी जाहिर की और उन्होंने सदन की गरिमा बनाए रखने की अपील की। बढ़ते हंगामे को देख स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी।

प्रोटेम स्पीकर ने विधानसभा सत्र को लेकर की बैठक, दिए कई निर्देश

एजेंसी। रांची

विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मराण्डी ने अपने कार्यालय कक्ष में षष्ठम् विधान सभा के प्रथम सत्र को लेकर विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ शुक्रवार को उच्चस्तरीय बैठक की। सत्र को ध्यान में रखते हुए प्रोटेम स्पीकर ने राज्य के मुख्य सचिव सहित अन्य विभागों के वरीय पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नये सदस्यों के आवासन एवं सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में दिशा-निर्देश दिये गए। मुख्य सचिव ने बैठक में स्पीकर को अवगत कराया कि सत्र को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त सुरक्षा बल और दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर दी गयी है। सत्र के दौरान पर्याप्त चिकित्सकों की व्यवस्था के अलावे आवश्यक जीवन रक्षक दवा और एम्बुलेंस की भी सुविधा उपलब्ध कराने का भी निर्देश बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष ने दिये। साथ ही विधानसभा आने के क्रम में किसी भी प्रकार के अनावश्यक भीड़-भाड़ तथा उचित ट्रैफिक प्रबंधन के संबंध में भी बैठक में चर्चा हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने अवगत कराया कि सत्र के दौरान पदाधिकारी दीर्घा में वरीय पदाधिकारियों के प्रतिनियुक्ति संबंधी आदेश निर्गत किये जा चुके है। बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी और पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता सहित संबंधित विभागों से सचिव और अन्य उपस्थित थे।

कैलिफोर्निया में सुबह सुबह 7 की तीव्रता से आया भूकंप, 53 लाख लोगों पर मंडराया संकट

एजेंसी, कैलिफोर्निया

अमेरिका के कैलिफोर्निया में सुबह सुबह बहुत जोरदार भूकंप आया। करीब 7 की तीव्रता से वाले इस भूकंप की वजह से 53 लाख लोगों पर संकट पर आ गया। भूकंप के जोरदार झटकों से अमेरिका सहम गया। अमेरिका के उत्तरी कैलिफोर्निया में गुरुवार को 7.0 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि ग्रोसरी स्टोर में रखा सामान गिर गया। आनन-फानन में स्कूलों में बच्चों को डेस्क के नीचे बैठाया गया। अमेरिकी पश्चिमी तट पर रह रहे 53 लाख लोगों के लिए सुनामी की चेतावनी भी जारी करनी पड़ी। भूकंप के कुछ देर बाद ही उत्तरी कैलिफोर्निया में लोगों के फोन पर राष्ट्रीय मौसम सेवा

की तरफ से सुनामी की चेतावनी जारी की गई। इस चेतावनी में कहा गया था कि आपके तट के पास तेज लहरें और समुद्री बहाव देखने को मिल सकता है। आप खतरे में हैं। तुरंत समुद्र किनारे से हट जाएं। किसी ऊंची जगह पर चले जाएं या फिर अंदरूनी इलाकों में चले जाएं। सैन फ्रांसिस्को के दक्षिण में सांता क्रूज में प्रशासन ने मुख्य समुद्र तट को खाली करवा दिया और पुलिस ने जगह-जगह पर टेप लगाकर लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप सुबह (गुरुवार स्थानीय समयानुसार) 10:44 बजे फेरंडेल शहर के पश्चिम में आया। फेरंडेल, हम्बोल्ट काउंटी का एक छोटा सा शहर है। ये जगह ओरेगॉन सीमा से 209 किलोमीटर दूर है। भूकंप के झटके दक्षिण सैन फ्रांसिस्को तक महसूस किए गए। सैन फ्रांसिस्को यहां से 435 किलोमीटर दूर है। यहां लोगों ने कुछ सेकंड तक धरती हिलती हुई महसूस की। इसके बाद भूकंप के कई छोटे-छोटे झटके भी आए। हालांकि, अभी तक किसी बड़े नुकसान या किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। भूकंप के झटकों के बाद सुनामी की चेतावनी करीब एक घंटे तक जारी रही। भूकंप के तुरंत बाद यह चेतावनी जारी की गई थी। यह चेतावनी कैलिफोर्निया के मोंटेरे बे के किनारे से लेकर ओरेगॉन तक करीब 500 मील (805 किलोमीटर) तक के तटीय इलाकों के लिए थी।

खास खबरें

बिहार विधान परिषद के तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का उप निर्वाचन - 2024 वैशाली जिला में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

वैशाली जिला में वोटर टर्नअप लगभग 51% रहा दैनिक बिहार पत्रिका/वैशाली गुरुवार को वैशाली जिला में बिहार विधान परिषद के तिरहुत निर्वाचन क्षेत्र का उप निर्वाचन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। लगभग 51% मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के तहत वैशाली जिला में मतदाताओं की कुल संख्या 37640 है मतदान समाप्ति के बाद सभी पीठासीन पदाधिकारी पोल्ड मतपेटिका लेकर निवार्ची पदाधिकारी - सह- आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल के कार्यालय में मतपेटिका जमा करने हेतु मुजफ्फरपुर प्रस्थान कर गए मतगणना दिनांक 9 दिसंबर, 2024 को एमआईटी, मुजफ्फरपुर में निवार्ची पदाधिकारी, तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र- सह- आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर के निर्देश में संपन्न कराया जाएगा।

डीएम ने जनता दरबार में सुनी लोगों की शिकायत

दैनिक बिहार पत्रिका/ वैशाली

शुक्रवार को प्रभारी डीएम सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार सिंह ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार में आए सोलह मामलों से संबंधित सुनवाई की। कई मामलों को तुरंत निष्पादित किया गया तथा कुछ मामलों को संबंधित पदाधिकारी को त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया। अधिकतर मामले भूमि विवाद, बासगीत पर्चा, राशन कार्ड, पेंशन, सीमांत लाभ, सामाजिक सुरक्षा आदि से संबंधित थे। प्रभारी जिला पदाधिकारी ने कहा कि जनता की उनकी कठिनाइयों से उबरना जिला प्रशासन का मकसद है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लक्षित वर्ग को मिले, इसके लिए कारगर कदम उठाए जा रहे हैं मौके पर कई विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य शिविर:छातापुर में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का होगा आयोजन, होगी मरीजों की जांच

दैनिक बिहार पत्रिका/ब्यूरो रिपोर्ट

सुपौल। जिले के छातापुर प्रखंड मुख्यालय स्थित मां सावित्री फ्यूल सेंटर पर दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 7 दिसंबर शनिवार से होना है। शिविर दिन के 10 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगी। इसमें मरीजों की जांच सुक्ष्म नामांकन के बाद होनी है। मारवाड़ी युवा मंच की निगरानी में रमेश गोयल सेवा संस्थान के सौजन्य से प्रखंड मुख्यालय में दो दिवसीय हेल्थ कैंप का आयोजन 7 दिसंबर से होना है। 7 और 8 दिसंबर को आयोजित इस हेल्थ कैंप में संस्थान के आधे दर्जन से भी ज्यादा डाक्टर और मेडिकल की टीम छातापुर में मौजूद रहेगी । आयोजकों की मानें तो सुक्ष्म रजिस्ट्रेशन के बाद इस मेडिकल हेल्थ कैंप में आंखों की जांच, जरुरतमंदों को चश्मा, दांत संबंधित रोग, ई एन टी चिकित्सा, जेनरल ओपीडी, ईसीजी , एक्स-रे एवं पेथोलोजिकल टेस्ट की व्यवस्था रहेगी। आयोजकों ने बताया कि छातापुर स्थित मां सावित्री फ्यूल सेंटर पर कैंप लगाया जाएगा। उन्होंने सभी को शिविर में आने की अपील की है।

निरीक्षण: बीडीओ ने किया जन कल्याणकारी योजनाओं का निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका/ ब्यूरो रिपोर्ट

सुपौल। जिले के छातापुर प्रखंड बीडीओ डा. राकेश गुप्ता ने शुक्रवार को प्रखंड के राजेश्वरी पूर्वी पंचायत में चल क्षेत्रीय विकास एवं जन कल्याणकारी योजनाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में बीडीओ मध्य विद्यालय तमुआ पहूंचे और पठन पाठन कार्य की स्थिती से अवगत हुए। मध्यान काल में पहूंचे बीडीओ ने बच्चों के साथ बैठकर मीड डे मिल का स्वाद भी चखा। जिसके बाद आंगनवाडी केंद्र की जांच करने पहूंचे। इतना ही नहीं आवास निर्माण कार्य की प्रगति के लिए कई लाभूकों के घर भी पहूंचे। इस दौरान आसपास जमे ग्रामीण प्रशासनिक

चहलकदमी से उत्सुक दिख रहे थे। कई लोगों ने समाजिक सुरक्षा पेंशन को लेकर बीडीओ के समक्ष अपनी बातों को रखा। बीडीओ के साथ सीओ राकेश कुमार, जेइ प्रभात कुमार रंजन व सत्येंद्र कुमार के अलावे पंचायत के कई कर्मी मौजूद थे। बीडीओ ने बताया कि सरकार के द्वारा संचालित संस्थानों में व्यवस्था सुधार हो और इसका लाभ हकदारों को मिले इसके लिए वे लगातार पंचायतों का निर-ीक्षण कर रहे हैं। प्रखंड कार्यालय को प्राप्त आवेदन के आलोक में सड़क निर्माण कार्य की जांच की गई। जहां निरीक्षण के बाद मौजूद जेइ एवं अभिकर्ता को आवश्यक कई निर्देश दिये गए। इसके साथ ही विभिन्न मदों से क्रियान्वित योजनोओं का भी स्थलीय निरीक्षण किया गया। बीडीओ ने बताया कि योजना कृयान्वयन में गुणवत्ता की अनदेखी नहीं हो इसके लिए संबंधितों को हिदायत दी गई है।

समाहरणालय परिसर में डॉ. अंबेडकर की पुण्यतिथि मनाई गई

दैनिक बिहार पत्रिका/ वैशाली

समाहरणालय परिसर में महान चिंतक, समाज सुधारक, न्यायविद, अर्थशास्त्री और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि मनाई गई।उनकी पुण्यतिथि महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है। समाहरणालय परिसर स्थित डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर प्रभारी जिला पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त शम्स जावेद अंसारी, एसडीएम रामबाबू बैठा, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार सहित अनेक पदाधिकारियों ने पुष्प अर्पित

कर उन्हें याद किया। दीप और मोमबत्तियां जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।वैशाली के माननीय विधायक सिद्धार्थ पटेल भी इस अवसर पर मौजूद थे।साथ ही समाजसेवी अवधेश कुमार सिंह, श्रीकांत पासवान, राजकुमार पासवान, धर्मवीर यादव सहित कई लोगों ने बाबा साहब को पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व की चर्चा की। प्रभारी जिला पदाधिकारी ने कहा कि अंबेडकर एक समाज सुधारक और महान विचारक थे। उन्हें भारतीय संविधान का जनक माना जाता है। आज पूरा देश उनकी पुण्यतिथि महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मना रहा है।माननीय विधायक, वैशाली सिद्धार्थ पटेल ने कहा कि संविधान निमार्ता डॉ. अंबेडकर के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका जीवन भारतीय समाज के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा स्थल के पास गार्डन विकसित करने की आवश्यकता है। समाजसेवी अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि हम लोग प्रति वर्ष संविधान दिवस, डॉ. अंबेडकर की जयंती और महापरिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) यानि तीन बार प्रतिमा के पास एकत्रित होकर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस अवसर पर कई पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खगड़िया के लाल ने किया जिला का नाम रौशन , डी ए वी नेशनल खो-खो की बनी विजेता

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। नदियों के नैहर खगड़िया के युवा खिलाड़ी एक के बाद एक सफलता अर्जित कर देश मे अपने दम-खम का लोहा मनवा रही है। दिल्ली के गाजियाबाद में आयोजित डी ए वी खगड़िया बिहार की टीम डी ए वी द्वारा आयोजिय नेशनल खेल के खो खो में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विजेता बन ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। बेहतरीन नेतृत्व व प्रदर्शन के लिए खो-खो टीम खगड़िया के खिलाड़ी नितिन कुमार की एक साल की फीस माफ करने की अनुसंसा डी ए वी समिति ने कर दी।नितिन पसराहा थाना के सोनडीहा गांव के ग्रामीण पशु चिकित्सक लक्ष्मण कुमार के बड़े पुत्र हैं और ये खगड़िया डी ए वी के छात्र है। बताया गया कि खगड़िया डी ए वी के अलग अलग स्पोर्ट्स में कुल 23 छात्र/छात्राओं की टीम कलस्टर, जोनल खेलते हुए नेशनल के लिए चयनित हुए। चेस में विश्वजीत आनंद,मिहिर केतुमन और रुद्रवीर सिंह।कबड्डी में अनिमेष आनंद।खो-खो में राघव कुमार,नितिन कुमार,राजेश कुमार,आस्तिक राज,अभिनय आनंद,सिद्धार्थ सिन्हा, मानव,अंकित आनंद,खुशी कुमारी,आकृति राज,राधिका राज,अदिति कुमारी।कराटे में रिया रिजवी, सुप्रिया कुमारी,खुशी कुमारी-1,खुशी कुमारी-2,निर्मल कुमार टुडु और आशीष कुमार रंजन शामिल थे। नितिन के सफलता से उनके घर पर बधाइयों का तांता लग गए।जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष र-ाकेश कुमार रौशन ने बधाई देते हुए कहा कि खेल प्रतिभा में भी सोनडीहा की धरती काफी धनी है।हाल ही में भागलपुर माउंट आशिषि के नेशनल खो खो में सोनडीहा के अभिनंदन कुमारी की पुत्री अन्नू प्रिया ने बिहार को तीस-रा स्थान दिलाया था और आज डी ए वी खगड़िया के नितिन ने न सिर्फ विजेता ट्रॉफी जीता बल्कि अपने एक माह का फिस भी माफ करवा लिया। वही पूर्व पंस राजीव कुमार,अखिलेश कुमार,पंसस जय चंद्र कुमार,अरुण सिंह,खेल प्रशिक्षक रामसेवक सिंह,डॉ0 प्रमोद कुमार राही, मुनिलाल सिंह,डॉ शशिशेखर कुमार ने बधाई दी है उनकी सफलता को लेकर अन्य जिला में भी काफी तारीफें हो रही है काफी मेहनत से वह बच्चे से उनके माता-पिता ने बताया।

निमार्णाधीन डिस्ट्रिक लाइब्रेरी का स्थल निरीक्षण कर संचालित कार्य की ली गई भौतिक जानकारी

दैनिक बिहार पत्रिका/ ब्यूरो रिपोर्ट

बांका। जिला योजना पदाधिकारी बांका के द्वारा नीति आयोग के तहत संचालित आर०एम०के० ईन्टर कॉलेज, बांका के प्रांगन में निमार्णाधीन डिस्ट्रिक लाइब्रेरी बांका का स्थल निरीक्षण कर संचालित कार्य की भौतिक जानकारी ली गई। जिसमें यह पाया गया कि द्वितीय तल पर सेंट्रिंग का कार्य कराया जा रहा है। कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्य प्रमंडल, बांका को निर्देश दिया गया कि निरंतर कार्य कराते हुए समय सीमा के अंदर कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही जिला कम्प्यूटर सेंटर का भी निरीक्षण किया गया। जिसमें छात्रों द्वारा बताया गया कि मोटर जल जाने के कारण पीने के पानी की समस्या है। आर०एम०के०, इन्टर कॉलेज, बांका के प्राचार्य को निदेश दिया गया कि जल्द से जल्द मोटर को दुरुस्त कराना सुनिश्चित करें, ताकि छात्रों के पेयजल की समस्या का निर-ाकरण हो सके।

जिले में पहला उसना चावल मिल का हुआ उद्घाटन

दैनिक बिहार पत्रिका / छपरा

सारण जिले का पहला उसना चावल मिल गड़खा प्रखंड के मरीचा गांव में एन.एच. 722 के किनारे खोला गया। डीएम अमन समीर ने डीडीसी, डीआरडीए निदेशक एवं गड़खा के बीडीओ सीओ तथा अन्य लोगों की मौजूदगी में नव स्थापित मां रा-इस मिल का उद्घाटन किया। डीएम ने शुभारंभ के साथ ही मशीन चालू कराया और तैयार चावल की गुणवत्ता को देखा। प्रबंधक सुनील कुमार सिंह और व्यवस्थापक सुबीर कुमार सिंह ने कहा कि यह उसना राइस मिल जिले का पहला उसना चावल देने वाला राइस मिल के रूप में स्थापित हुआ है। यहां के किसानों के लिए यह वरदान साबित होगा। अब किसान किसी भी विचौलिए के माध्यम से धान की खरीद बिक्री करने के बजाय रा-इस मिल में धान देकर उसना चावल प्राप्त कर सकते हैं। इसके पहले डीएम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संभावित कार्यक्रम को देखते हुए महमदा स्थित तालाब को भी देखने गए और उसका जायजा लिया। उनके साथ उपविकास आयुक्त यतेंद्र कुमार पाल, डीआरडीए निदेशक मो कयूम अंसारी, पूर्व जिप अध्यक्ष वैद्यनाथ प्रसाद सिंह विकल, ओमप्रकाश, बीडीओ रत्नेश रवि,सीओ नीली यादव, पीओ मो एजाज अहसन, ओमप्रकाश शर्मा आदि मौजूद थे।

पुलिस ने विभिन्न जगहों से शराब बरामद करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर वाहन भी किया जप्त

दैनिक बिहार पत्रिका/ ब्यूरो रिपोर्ट

बांका। अमरपुर थानान्तर्गत नरकट्टा नहर के पास से प्र० स० अ० नि० म० नि०, शिल्पी प्रजापति के नेतृत्व में अभियुक्त कृष्णा कुमार, पे०-इन्द्रदेव यादव, सा०-बाजा, थाना-अमरपुर, जिला-बाँका, उम्र 26 वर्ष करीब को एक वाहन मोटरसाईकिल से जप्त कर अवैध चुलाई शराब की कुल मात्रा 06.000 लीटर बरामद कर गिरफ्तार किया एवं वाहन को जप्त किया। साथ ही बांका थानान्तर्गत मंगरा चौक (सड़क) के पास से प्र० स० अ० नि० म० नि०, कुमार गौरव के नेतृत्व में अभियुक्तों (1). पप्पु यादव (चालक), पे०-राज कुमार यादव, सा०-मंगरा, थाना व जिला-बांका, उम्र 40 वर्ष करीब का एवं (2). नरेश यादव, पे०-श्यामलाल यादव, सा०-मंगरा, थाना व जिला-बांका, उम्र 38 वर्ष करीब का को एक वाहन मोटरसा-ईकिल से जप्त अवैध चुलाई की कुल मात्रा 700 टकबरामद होने के जुर्म में गिरफ्तार करते हुए वाहन को जप्त किया। दूसरी ओर बेलहर थानान्तर्गत रंगनिया फाटक के पास नहर किनारे प्र० स० अ० नि० म० नि०, किशोर कुमार के नेतृत्व में अभियुक्तों (1). विदेशी राय (चालक), पे०-शालीग्राम राय, सा०-बेला, थाना-बेलहर, जिला-बाँका, उम्र 36 वर्ष करीब एवं (2). जनार्दन रघुनाथ शर्मा, पे०-रघुनाथ शर्मा, सा०-खुतहरी, थाना-बेलहर, जिला-बांका, उम्र-47 वर्ष करीब को एक वाहन मोटरसाईकिल से जप्त अवैध चुलाई शराब की कुल मात्रा 08.500 लीटर बरामद कर गिरफ्तार किया एवं वाहन को जप्त किया। साथ ही शराब सेवन के आरोप में 10 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय बाँका के समक्ष पेश किया गया। जहाँ से उन्हें जुमार्ना देने के उपरांत मुक्त कर दिया गया।

डॉ0 अंबेडकर को नमन,शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने अर्पित की श्रद्धांजलि

बाबा साहब का जीवन समर्पण और संघर्ष का प्रतीक : समरेंद्र बहादुर

दैनिक बिहार पत्रिका / छपरा

बहुमुखी प्रतिभा के धनी, भारतीय संविधान के शिल्पकार और समाज सुधारक डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने साथी शिक्षकों के साथ डॉ० अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर समरेंद्र बहादुर सिंह ने बाबा साहेब के व्यक्तित्व और उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा ₹आज हम सभी डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जो न केवल भारतीय संविधान के निमार्ता थे, बल्कि समाज में समानता और सामाजिक न्याय के लिए उनकी जंग अनमोल रही। शिक्षक नेता ने बाबा साहब के जीवन को समर्पण और संघर्ष का प्रतीक बताते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। इस मौके पर संजय यादव,विनोद राय,निजाम अहमद,इंद्रजीत महतो,हवलदार मांझी,पीयूष तिवा-री,अनुज यादव,सुमन कुशवाहा,सूर्यदेव सिंह,अनिल दास,संतोष सिंह,रंजीत सिंह,एहसान अंसारी,पंकज प्रकाश,नरेंद्र राय,स्वामीनाथन राय,मंटू मिश्रा,श्यामबाबू सिंह,बलराम यादव,निर्मल पांडेय,शौकत अली सहित अन्य उपस्थित थे

पटना में बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ के दो सफल वर्षों की सुगम और किफायती फर्टिलिटी केयर की उपलब्द्धि

पटना (बिहार), 6 दिसंबर 2024: बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, भारत के तीसरे सबसे बड़े आईवीएफ नेटवर्क ने पटना सेंटर में अपने दो सफल वर्षों का सेलिब्रेशन किया। इस उत्सव में उन माता-पिता और बच्चों ने भाग लिया, जिन्होंने सेंटर के चिकित्सीय उत्कृष्टता और असाधारण सेवा के माध्यम से पैरेंटहुड के खूबसूरत अनुभव को महसूस किया है। उन्होंने सेंटर में उत्कृष्ट फर्टिलिटी केयर के अनुभवों के बारे में बात करते हुए, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ के प्रति अपने संतोषजनक भावनाओं को साझा किए। बिरला फ-र्टिलिटी एंड आईवीएफ ने हमेशा अपने पेशेंट्स को होलिस्टिक सपोर्ट प्रदान करते हुए इंडस्ट्री में अग्रणी सफलता दर बनाए रखा है। सेंटर इंटरनेशनल स्टैंड-ड्र्स का पालन करते हुए अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और पर्सनलाइज्ड केयर के द्वारा क्लिनिकली रिलायबल परिणाम प्रदान करता है। अभिषेक अग्रवाल, सीईओ, बिरला फर्टिलिटी एंड आ-ईवीएफ, ने इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए टीम की सराहना की। उन्होंने कहा, ₹पटना सेंटर के दो साल पूरा होना हमारे लिए बेहद खुशी की बात है। यहां हमारे ऑपरेशन्स का आधार रहा है लोगों को एडवांस्ड फर्टिलिटी

केयर इमोशनल सपोर्ट के साथ देना। बिहार के लोगों द्वारा हम पर किए गए विश्वास के लिए हम आभारी हैं। हमें खुशी है की हमें उनका परिवार का सपना पूरा करने का अवसर मिला। आगे भी हम उन्नत रिप्रोडक्टिव देखभाल तथा अत्याधुनिक फर्टिलिटी उपचार उपलब्ध कराते रहेंगे। पूर्वी भारत में विस्तार के लिए बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ की योजना पर रौशनी डालते हुए उन्होंने बताया, ₹हमारी योजना पूर्वी भारत में अपना नेटवर्क मजबूत बनाने और विस्तार करने की है। इसके अंतर्गत हम ने अगले 12-18 महीनों में कोलकाता में 2-3 सेंटर और भुवनेश्वर में दूसरा सेंटर शुरू करने की योजना बनाई है। डॉ. अनुपम कुमारी, कंसल्टेंट और सेंटर हेड, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, पटना ने साझा किया, ₹हमारे सेंटर में हम उन्नत टेक्नोलॉजी और पर्सनलाइज्ड ट्रीटमेंट के जरिए एक्सपर्ट फर्टिलिटी केयर प्रदान करने पर ध्यान देते हैं। आईयूआई और आ-ईवीएफ से लेकर फर्टिलिटी प्रिजर्वेशन तक, हम एक ही छत के नीचे विश्वस्तरीय सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। दो साल का यह सफर हमारे पेशेंट्स और उनके परिवारों के प्रति हमारी निष्ठा का प्रतीक है। हमारा लक्ष्य फर्टिलिटी केयर को और अधिक सुगम और किफायती बनाना है ताकि सभी को आवश्यक सपोर्ट मिल सके। हम फर्-टिलिटी की समस्याओं के बारे में जागरुकता बढ़ाना चाहते हैं ताकि इस-ाका समय पर निदान और इलाज संभव हो सके। बिरला फर्टिलिटी एंड आ-ईवीएफ पटना सेंटर आईयूआई, आ-ईवीएफ, इक्सी, एग फ्रीजिंग, और ट्रीटमेंट्स जैसे ट्यूबल ब्लॉकेज, पीसीओडी और एंडोमेट्रियोसिस के लिए सेवाएं प्रदान करता है। सेंटर की ट्रांसपेरेंट प्राइसिंग और 0% एटक ऑप्शन, इंटरनेशनल और सुलभ फर्टिलिटी केयर को सभी के लिए उपलब्ध बनाते हैं। अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और टीम की एक्सपेर्टीसे के साथ, पटना सेंटर दम्पत्तियों को उनके परिवार के सपने को पूरा करने में सहायता करता है।

महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाई गयी बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 68 वीं जयंती

दैनिक बिहार पत्रिका/ब्यूरो रिपोर्ट

बौंसी/बांका। बौंसी नगर पंचायत अंतर्गत थाना कॉलनी स्थित बिहार स-रकार के सात निश्चय अन्तर्गत संचालित कुशल युवा कार्यक्रम केंद्र एंजेल कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर के प्रांगण में बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 68 वीं जयंती महापरिनिर्वाण दिवस के पावन अवसर पर बाबा साहेब को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का आयोजन नेहरू युवा क्लब बौंसी एवं होली फैथ हेल्पिंग सोसाइटी के तत्वाधान में शुक्रवार को संस्थान के संरक्षण मदन मेहरा एवं रमेश शर्मा की उपस्थिति में आयोजित की गई। इस अवसर पर कौशल विकास केंद्र के निदेशक कुमार चंदन एवं छात्र छात्राओं ने बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित किया, एवं बाबा साहब के फोटो पर माल्यार्पण भी किया गया। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि हम सभी बाबासाहेब के द्वारा दिए गए सिद्धांतों एवं दर्शन को आवश्यक रूप से अपने जीवन में उतारें। यही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सभी धर्म जाति से ऊपर उठकर एक जिम्मेदार वैश्विक नागरिक की बातें से उभरकर उन्होंने अपना योगदान देश ही नहीं पूर्ण विश्व के लिए रखा। इस अवसर पर बौंसी मुख्य बाजार स्थित बाबा साहब के प्रतिमा पर आंबेडकर विचार मंच बौंसी के पदाधिकारियों एवं कुशल युवा कार्यक्रम केंद्र के छात्र छात्राओं ने बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित किया, एवं माल्यार्पण भी किया गया। मौके पर संसथान के संरक्षक मदन मेहरा ने छात्र एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा की भारतीय संविधान के निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर एक जाने माने वकील भी थे। उन्होंने न केवल अपने मुवक्किलों के लिए वकालत की बल्कि समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के लोकतांत्रिक मूल्यों की भी वकालत की। इसलिए, उनकी गिनती आज भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ वकीलों में होती है। साथ ही उन्होंने कहा की इसके अलावा वे एक जाने-माने अर्थशास्त्री और सुधारक भी थे। सभी नेताओं ने अपने-अपने क्षेत्र चुने थे। हम कह सकते हैं कि उनके ज्ञान के कारण ही उन्हें इस पद के लिए चुना गया होगा और उन्होंने जो संविधान तैयार किया , उसके हर हिस्से के लिए सूक्ष्म विवरण और उचित तर्क दिए गए थे। उन्हें सही तरीके से चुना गया। इस अवसर पर संसथान के संचालक कुमार चंदन,प्रियंका शर्मा,राखी कुमारी, ऋतू कुमारी, नीतू कुमारी, राच्चो कुमारी, रंजीत कुमार मरांडी, बिंदु कुमारी, कल्पना कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, सपना कुमारी, शिवानी कुमारी, अनुज कुमार, विरेन्द्र कुमार, शिव० कुमार, अभिषेक कुमार सहित काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

पॉक्सो अधिनियम 2012 की धारा 39 के तहत सहायक व्यक्तियों के नियोजन कराने का दिया गया निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका/ब्यूरो रिपोर्ट

बांका। जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति डी सी डब्लू पी सी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा पॉक्सो अधिनियम, 2012 की धारा 39 के तहत सहायक व्यक्तियों सपोर्ट पर्सन के नियोजन कराने का निर्देश दिया गया। श्रम विभाग को निदेश दिया गया कि प्रत्येक प्रखंड में दो-दो बाजार चिन्हित कर नियमित रुप से धावा दल का संचालन करायें ताकि बाल श्रमिकों को विमुक्त कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ा जा सके। अनाथ बच्चों का सर्वेक्षण कराने का निदेश जिला प्रोग्राम पदाधिकारी को दिया गया। आंगनवाड़ी सेविका के माध्यम सभी अनाथ बच्चों की सूची बनाकर सभी सरकारी लाभ दिलाने का निदेश दिया गया। बाल कल्याण समिति में लंबित वादों का नियमानुसार निष्पादित करने का निदेश दिया गया। बैठक में सहायक निदेशक, जिला संरक्षण इकाई, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी. कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद्, बाँका श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी उपस्थिते रहे।

खास खबरे

बॉक्स ब्रिज का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का किया गया कार्य

दैनिक बिहार पत्रिका/ ब्यूरो रिपोर्ट

बांका। जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार के निर्देश पर ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल बांका -1 के अंतर्गत अमरपुर प्रखंड में बेला शिव मंदिर से वनवास पर बॉक्स ब्रिज का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का कार्य शुक्रवार को सहायक अभियंता ब्रह्मदेव प्रसाद के द्वारा किया गया है। पुल में रिटर्न वॉल का कार्य प्रगति पर है। वहीं फुल्लीडुमर प्रखंड में पाराचक से रजवाड़ा कोझी पथ का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का कार्य कनीय अभियंता सुजीत कुमार के द्वारा किया गया है। पथ में पीसीसी का कार्य प्रगति पर है।

शरारती तत्व के लोगों बाबा भीमराव का प्रतिमा तोड़ कर किया विखंडित,मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई में जूटी पुलिस

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह।

चांदन/बांकाः- एक तरफ जहां पूरा देश में संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 69 वीं पुण्यतिथि मना रहा हैं। उन्हें याद कर उनकी प्रतिमाओं पर फूल और माला चढ़ाया जा रहा है।वहीं दूसरी तरफ चांदन प्रखंड के दक्षिणी बारने पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 2 अमजोरा गाँव में छच दार चबूतरा में लगायी गई बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा को असामाजिक तत्वों ने सर और धड़ से अलग कर इलाके को शर्मसार कर देने वाला कुकृत्य को अंजाम दिया है । इस तरह कुकृत्य मामले की सुचना मिलते ही जिला प्रशासन में खलबली मच गई। घटना कि निंदा करते हुए हुए गांव में विधि व्यवस्था बनाए रखने हेतु जिला प्रशासन के आदेश पर बेलहर प्रक्षेत्र एसडीपीओ राजकिशोर

कुमार, चांदन बीडीयो अजेश कुमार सिओ रविकांत कुमार सिंह अमजोरा गाँव पहुंचकर इस प्रकार की घटना पर दुःख व्यक्त करते हुए घटना में शामिल असामाजिक तत्वों की पहचान कर कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की बातें कही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमजोरा गाँव में गैरमजरुवा जमीन पर छतदार शेड का निर्माण कर कई वर्ष पूर्व दलित मुक्ति मिशन के संस्थापक महेंद्र कुमार द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा लगाई गई थी।बीते रात्रि किसी असामाजिक तत्व ने बाबा साहेब की प्रतिमा को सर और धड़ को अलग अलग कर कई जगहों पर तोड़ दिया। सुबह लोगों को जानकारी मिलते ही इसकी सुचना आनंदपुर थानाध्यक्ष बिपीन कुमार को दी गई।सुचना मिलते ही एस डी पी ओ, बी डी ओ और सी ओ के साथ पहुंचे थानाध्यक्ष ने घटनास्थल का जायजा लिया और घटना के संबंध मे जानकारी लीं साथ ही प्रशासन ने बाबा साहेब की विखंडित प्रतिमा को अपने कब्जे मे ले लिया है। और पदाधिकारियों ने उक्त स्थान पर बाबा साहेब का फोटो रखकर उनका माल्यार्पण किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।स्थानीय लोगों के आवेदन पर आनदपुर पुलिस अज्ञात असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई मे जुट गयी हैं इस तरह के कुकृत्य मामले पर प्रखंड प्रमुख रविश कुमार,पूर्व मुखिया चन्द्रमोहन पाण्डेय, पूर्व प्रमुख पलटन यादव, जदयू प्रखंड अध्यक्ष दीपक भारती, पंचायत के मुखिया तुलसी रजक, दलित मुक्ति मिशन के संस्थापक महेंद्र रौशन, राजकुमार दास, सुनीता देवी ने इस प्रकार घटना की कड़ी निंदा की है और प्रशासन से इस घटना मे शामिल असामाजिक तत्वों की पहचान कर वैसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की हैं इस संबंध मे एस डी पी ओ ने बताया कि समाज और देश को कलंकित कर देने वाली इस प्रकार की घटना में शामिल लोगों की पहचान कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।

डॉ लक्ष्मण यादव के आगमन पर प्रबोधन कार्यक्रम की सफलता हेतु किया गया बैठक का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/ ब्यूरो रिपोर्ट

खगड़िया। 9 दिसंबर को दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉक्टर लक्ष्मण यादव के आगमन पर प्रबोधन कार्यक्रम की सफलता हेतु सामाजिक कार्यकताओं की बैठक डॉ अंबेडकर भवन बलुवाही के सभागार में हुई जिसकी अध्यक्षता समाजसेवी किरण देव यादव ने किया। बैठक में एक स्वर में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अपने-अपने स्तर से व्यापक भागीदारी के साथ प्रबोधन कार्यक्रम में भाग लिया जाएगा। इसके लिए प्रखंड स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाकर प्रचार प्रसार किया जाएगा। बैठक में राम लखन पासवान, मुरली रविदास चंद्रशेखर मंडल, सुखनंदन पासवान, राकेश पासवान, धर्मेंद्र कुमार, सुनील कुमार, रतन पासवान, राम विलास महतों, श्याम सुंदर राम सत्यार्थी, आदि ने कहा कि डॉक्टर लक्ष्मण यादव जैसे ओजस्वी प्रगतिशील प्रखर वक्ताओं का संबोधन से आम जनों में जागृति उत्पन्न होगा। सबों ने एक स्वर में खगरिया वासियों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने हेतु खुला आमंत्रण करते हुए सामूहिक सहभागिता का अपील किया।

राज्य में अब तक 67% सरकारी भवनों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर हुआ अधिष्ठापित

दैनिक बिहार पत्रिका/ ब्यूरो रिपोर्ट

पटना। बिहार में ऊर्जा दक्षता और बिजली की बचत को बढ़ावा देने के लिए सभी सरकारी भवनों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे हैं। बिहार के मुख्य सचिव के निर्देशानुसार राज्य के कुल 65,262 सरकारी भवनों में मीटर लगाने का लक्ष्य है, जिसमें से अब तक 43,606 भवनों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने अपने लक्ष्य 35,956 मीटरों में से 24,494 मीटर और साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने 29,306 मीटरों में से 19,112 मीटर सफलतापूर्वक इंस्टॉल कर लिए हैं। ऊर्जा विभाग के सचिव एवं बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के सीएमडी, श्री पंकज कुमार पाल ने बताया कि रीडिंग की पारदर्शिता सुनिश्चित करने और लोगों की शंकाओं का समाधान करने के लिए सरकारी भवनों में पुराने मीटर भी कुछ समय तक लगे रहेंगे। इस संदर्भ में वहां उपस्थित विभागीय कर्मचारी एवं मीटरिंग एजेंसी के प्रतिनिधि से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर से उपभोक्ताओं को रियल टाइम बिजली खपत की जानकारी मिलेगी बल्कि बिजली बचत से उन्हें आर्थिक लाभ भी होगा। सरकारी भवनों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगने से न केवल बिजली खपत में पारदर्शिता आएगी, अपितु बिजली बिल प्रबंधन प्रक्रिया भी सरल हो जाएगी।

भागलपुर के नए डीआईजी विवेक कुमार ने लिया पदभार

दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। भागलपुर के नए डीआईजी विवेक कुमार ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया। वर्तमान डीआईजी विवेकानंद ने नवनियुक्त डीआईजी विवेक कुमार को अपना पदभार सौंप दिया, जिसके बाद डीआईजी विवेक कुमार ने पदभार ग्रहण किया। वहीं पुलिस उपमहानिरीक्षक के कार्यालय पहुंचने पर नवनियुक्त डीआईजी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद डीआईजी ने पदभार ग्रहण किया। नवनियुक्त डीआईजी विवेक कुमार ने कहा की मेरी पहली प्राथमिकता अपराध और अपराधियों पर नकेल

कसना है। उन्होंने कहा कि कंडों के निष्पादन और बेहतर विधि व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाएगी। इस दौरान भागलपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार ने नवनियुक्त डीआईजी को बुके देकर सम्मानित भी किया।

हिंसा उन्मूलन पखवाड़ा के तहत हम सभी को हिंसा को पहचानने की आवश्यकता है:- राज अंकुश शर्मा

दैनिक बिहार पत्रिका/ब्यूरो रिपोर्ट

बांका। महिला एवं बाल विकास निगम, समाज कल्याण ,जिला प्रशासन एवं उड़ान परियोजना के सयुक्त तत्वाधान में महिला हिंसा उन्मूलन पखवाड़ा का आयोजन उत्क्रमित उच्च विद्यालय हसिया में प्रधानाध्यापक अजय कुमार घोष की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला का संचालन हब के जिला मिशन समन्वयक राज अंकुश शर्मा एवं उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक पंकज कुमार ने किया। इस अवसर पर सर्वप्रथम जिला मिशन समन्वयक राज अंकुश शर्मा ने कहा कि हिंसा उन्मूलन पखवाड़ा के तहत हम सभी को हिंसा को पहचानने की आवश्यकता है। हिंसा छोटी हो या बड़ी हो हिंसा को अनदेखा न करें नहीं तो वही छोटी हिंसा बड़ा रूप ले लेती है। आज हिंसा सभी वर्गों के लोगों में हो रही है जो समाज के प्रगति में बाधक है। वन स्टाप सेंटर के बारे में बताते हुए कहा कि कोई भी महिला यदि किसी हिंसा से पीड़ित है तो कभी भी वन स्टाप सेन्टर से

संपर्क कर सकते हैं पुनः बताया कि बिहार में लिंग अनुपात में लड़कियों की घटती संख्या काफी चिंता की बात है। उन्होंने गर्भवती महिला का लिंग परीक्षण नहीं करने के लिए जागरूकता की बात कही साथ ही लड़कियों के जन्म से लेकर पूरे जीवन में कोई भेदभाव नहीं हो, इस पर भी समाज के सभी लोगों को जागरुक होने की आवश्यकता है । उनके द्वारा मिशन शक्ति अंतर्गत संचालित सभी योजनाएं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया।इस अवसर पर जिला समन्वयन (उड़ान) द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु संचालित योजनाओं जैसे - कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न , घरेलू हिंसा , साइबर अपराध , लिंग आधारित भेदभाव , लैंगिक हिंसा ,बी बी बी पी, ओ एस सी (महिला हेल्प लाइन) सामाजिक पुनर्वास योजना,बाल विवाह उन्मूलन , दहेज उन्मूलन आदि विषयों पर विस्तार पूर्वक बताया गया। इसके अलावा छात्राओं ने कबड्डी खेल प्रतियोगिता कराया गया । अंत में उपस्थित सभी छात्र, छात्राओं को प्रधानाध्यापक अजय कुमार घोष द्वारा बाल विवाह और जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ शपथ भी दिलाया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक अरुण कुमार घोष, अमित कुमार, वासुदेव कुमार, शिक्षिका कुमारी, सीमा, निभा भारती, उमा भारती सहित सैकड़ो बच्चे उपस्थित थे।

भारी मात्रा में गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका / छपरा

सारण पुलिस ने 55 किलो गांजा के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान भेल्दी गांव निवासी नौशाद आलम पिता मो. मुस्तफा के रूप में हुई। जिसकी बाजार की कीमत लगभग 10 लाख रुपए बताई जा रही है। जिसकी जानकारी एसपी कुमार आशीष ने प्रेस रिलीज जारी दी है। एसपी कुमार आशीष ने बताया कि भेल्दी थाना पुलिस टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम भेल्दी के नौशाद आलम अपने घर के पीछे बने झोपड़ी में जमीन के अंदर प्लास्टिक के ड्रम में गांजा जैसा मादक पदार्थ छुपाकर रखा है। उक्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए ग्राम भेल्दी स्थित नौशाद आलम के घर छापेमारी किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस को 55 किलोग्राम गांजा (11 पैकेट) बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी नौशाद आलम को गिरफ्तार कर लिया और उससे पूछताछ शुरू की। जिसमें उसने बताया कि यह गांजा उसने मोतीहारी से लाया गया था और इसे बेचने की योजना थी। पुलिस ने इस मामले में भेल्दी थाना कांड संख्या 374/24, दिनांक 4 दिसंबर 2024 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (बी) (६) (सी) और 29 के तहत मामला दर्ज किया है।

सनातन फाउंडेशन देवघर ने 5 विकेट से दुर्गा स्पोटिंग क्लब बाराहाट को पराजित कर फाइनल में किया प्रवेश

दैनिक बिहार पत्रिका/ ब्यूरो रिपोर्ट

बांका। कृषांग क्वांटम स्पोर्ट्स के सौजन्य से और जिला खेल संघ, बांका व बांका डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के संचालन में चल रहे डायनामिक कृषांग क्रिकेट चैम्पियनशिप, सीजन -4, वर्ष 2024 का पहला सेमीफाइनल मैच एम.एम.सी. सनातन फाउंडेशन, जसीडीह, देवघर बनाम बनाम डी.एस.सी. बाराहाट, बांका का सम्पन्न हुआ। सनातन फाउंडेशन देवघर ने 5 विकेट से दुर्गा स्पोटिंग क्लब बाराहाट को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में पहुंचने वाली यह पहली टीम है। मैच का शुभारंभ कृषांग क्वांटम स्पोर्ट्स के सदस्य संजय मिश्रा ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर किया और खिलाड़ियों का हौसला आफजाई किया। बाराहाट ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया और पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खो कर 150 रन बनाए। बाराहाट

के बल्लेबाज रिशिकांत ने सर्वाधिक 49 रन बनाए जबकि विषु ने 42 रनों का योगदान दिया। देवघर के गेंदबाज प्रतीक रंजन ने 3 विकेट लिये और संजीव झा व रिक्की शर्मा ने क्रमशः 2-2 विकेट लिये। सनातन फाउंडेशन जसीडीह देवघर टीम जबाब में बल्लेबाजी करते हुए 19.1 ओवर में मात्र 5 विकेट पर 154 रन बना कर इस सेमीफाइनल मैच को 5 विकेट से जीत लिया और फाइनल में प्रवेश किया। देवघर की टीम के बल्लेबाज अफसर ने नाबाद 63 रन बनाए जबकि परवेज ने 24 रनों का योगदान दिया। बाराहाट के गेंदबाज मिथुन ने 2 विकेट लिये। देवघर के गेंदबाज प्रतीक रंजन को उनके बेहतरीन गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के लिये मेन ऑफ द मैच चुना गया, उन्हें यह अवार्ड संयुक्त रूप से संजय मिश्रा और शिवनारायण झा ने प्रदान किया। मैच का अम्पायरिंग रामकृष्ण झा और चंदन चौधरी कर रहे थे जबकि स्कोरर मदन और डिजिटल स्कोरर आयुष थे, उद्घोषणा और रनिंग मैच कमेंट्री प्रदीप भगत कर रहे थे। आगामी कुछ दिनों आरएमके इंटर कालेज मैदान अन्य जरूरी कारणों से उपलब्ध नहीं रहने के कारण बचे एक सेमीफाइनल और फाइनल मैच अब दिसंबर,2024 के अंतिम सप्ताह खेला जाए, तिथि की घोषणा जल्द ही कर दी जाएगी। मौके पर शिवनारायण झा, सुबोध झा, राकेश सिंह, प्रदीप भगत, चंदन कुमार, प्रदीप कुमार, चंदन चौधरी, रंजीत यादव, गौरव किशोर झा,मिलन कुमार, सावन सिंह,अंजनी मिश्रा, संजय मिश्रा, छोटू व अन्य उपस्थित थे। इस आशय की जानकारी सोशल मीडिया प्रभारी रंजीत यादव ने दी।

मुंगेर के दियारा में संचालित 9 मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन , हथियार बनाते 4 कारीगर गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/ ब्यूरो रिपोर्ट

मुंगेर में गंगा पार दियारा क्षेत्र में अवैध हथियार निर्माण की गुप्त सूचना पर एसपी के निर्देश पर सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में मुफस्सिल थाना की पुलिस ने गंगापार तौफिर देवी दियारा में छापेमारी की। जहां दियारा में संचालित मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन करते हुए अर्द्धनिर्मित हथियार के अलावा काफी मात्रा में हथियार बनाने का उपकरण पुलिस ने जब्त किया। पुलिस ने 09 बेस मशीन, 14 अर्द्धनिर्मित पिस्टल, 04 पूर्ण निर्मित मैगजीन, 04 अर्द्धनिर्मित मैगजीन, 02 ड्रील मशीन, 04 मोबाइल सहित कई उपकरण पुलिस ने जब्त किया। इस दरम्यान फूस की झोपड़ी में हथियार बनाते 04 कारीगरों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। गिरफ्तार सभी हथियार निर्माण कारीगर मुफस्सिल थाना क्षेत्र

अंतर्गत मिजार्पुर बरदह के निवासी बताए जाते हैं। गिरफ्तार चारो कारीगर हथियार निर्माण में पहले से जुटे थे। सभी पूर्व में भी आर्म्स एक्ट मामले में जेल जा चुके हैं। इस मामले मे एसपी सैयद इमरान मसूद ने बताया कि गिरफ्तार कारीगरों से पूछताछ में पता चला है कि अर्द्धनिर्मित पिस्तौल को फाइनल टच देने के लिए गंगापार दियारा लाया गया था। कुछ दिन पूर्व जेल से बेल पर निकलने के बाद हाल ही में चारो हथियार कारीगरों ने देवी दियारा में आग्नेयास्त्र निर्माण का काम शुरू किया था।अवैध हथियार के कारोबार पर रोक के लिए स्पेशल आर्म्स सेल का गठन किया गया है। पकड़ाए कारीगरों से पूछताछ के बाद पुलिस अनुसंधान में यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि अर्द्धनिर्मित हथियार कहां से आया था और फाइनल टच के बाद किसे सप्लाई किया जाना था।

डॉ0 अम्बेडकर हमारे आदर्श हैं - रौशन

दैनिक बिहार पत्रिका/संवाददाता

चांदन/बांका। बिहार दलित विकास समिति एवं दलित मुक्ति मिशन द्वारा गठित अम्बेडकर युवा मंच के तत्वावधान में ज्ञान भवन कड़वामारण परिसर में हर साल कि तरह छः दिसंबर शुक्रवार को बाबा साहब का परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्था प्रमुख महेंद्र कुमार रौशन ने बताया कि 32 डिग्री में एक डॉक्टर ऑफ साईन्स की डिग्री अम्बेडकर साढ़े तीन साल में पूरा कर लिया था, जबकि यह 8 साल का कोर्स होता है इसलिए उन्हें सेम्बल ऑफ नॉलेज कहा गया है। वे देश के पहले ऐसे महापुरुष हैं, जो देहांत के कुछ समय पहले तक समाज का काम करते रहे हैं। उन्होंने जीवंत संघर्ष किया फलस्वरूप आज वंचित समुदाय समाज के मुख्य धारा में आने के लिए प्रयासरत है इसलिए बाबा साहब हमारे आदर्श हैं। इस अवसर पर अम्बेडकर युवा मंच के युवा नेता दीपक कुमार, देवराज कुमार, रामू ताती, विष्णुदेव कुमार, सेवा दल के सदस्य दिलीप कुमार, सरोज कुमार सावित्री बाई माता समिति के उत्प्रेरक सुनीता देवी, लोकमंच के उत्प्रेरक रूबी कुमारी तथा अन्य वक्ताओं ने अपना अपना विचार रखा और ग्राम अमजोरा में बाबा के स्थापित प्रतिमा को तोड़े जाने का दुर्भाग्यपूर्ण बताया तथा जिला प्रशासन से दोषियों पर देशद्रोह का मुकदमा चलाकर कड़ी सजा और पुनः बाबा साहब के प्रतिमा को स्थापित करने की मांग किया।

जिला समन्वय समिति की साप्ताहिक बैठक में विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के संबंध में दिये गये कई निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका/ ब्यूरो रिपोर्ट

बांका। जिला पदाधिकारी बाँका अंशुल कुमार की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की साप्ताहिक बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में विकसित बिहार का सर्वे, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस छात्रावास, प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय के निर्माण हेतु भूमि चिन्हित करने संबंधी विषयों एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, मनरेगा, पंचायती राज विभाग, समेकित बाल विकास परियोजना, राजस्व विभाग, निलामपत्र वाद, की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी बाँका द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के संबंध में कई निर्देश दिये गये। कहा गया की, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अन्तर्गत आवास प्लस 2024-25 में सभी अपूर्ण आवासों को अविलंब पूर्ण कराये।प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अन्तर्गत 20 भूमिहीन लाभुकों को अविलंब भूमि उपलब्ध कराते हुए आवास योजना का लाभ प्रदान किया जाय। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अन्तर्गत अर्१ं ड्ढ्ढ्री अस्त्रस्त्र क्ल्ल२स्त्री-३ड्ढल्ल इ८ इउ्ढ शतप्रतिशत करें। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अन्तर्गत डउ्ऋ ढछ्वर हेतु लंबित मॉडल गाँव का अविलंब सर्वे करें। मनरेगा एवं 15 वीं वित्त योजना से निर्मित होने वाले क्रमशः 02 एवं 12 कचरा प्रसंस्करण इकाई का निर्माण

अविलंब करायें। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अन्तर्गत उपयोगिता शुल्क संग्रह का कम वसूली किये जाने पर खेद प्रकट करते हुए अधिक से अधिक उपयोगिता शुल्क संग्रह वसूली किये जाने का निदेश दिया गया। बाँका जिला अन्तर्गत सभी निमार्णाधीन पंचायत सरकार भवन का अविलंब निर्माण करने हेतु निदेश दिया गया। इस संदर्भ में जिला पदाधिकारी, बाँका द्वारा बताया गया कि प्रखंड-कटोरिया अन्तर्गत देवासी पंचायत में निर्मित पंचायत सरकार भवन के अवलोकन कर उसके अनुरूप बनाने का निदेश दिया गया। दिनांक-11.12.2024 तक अधिक से अधिक पंचायत सरकार भवन के उदघाटन हेतु संबंधित प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, बाँका जिला को निर्देशित किया गया। सभी अंचल अधिकारी, बाँका जिला को प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक खेल का मैदान, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस छात्रावास हेतु भूमि चिन्हित करते हुए अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने का निदेश दिया गया। मिशन किलकारी के तहत सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, बाँका जिला को 10-10 आँगनबाड़ी केन्द्र भवन के जीर्णोद्वार हेतु सूची जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आई0सी0डी0एस0) के माध्यम से कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा को हस्तगत कराने का निदेश दिया गया। सभी आँगनबाड़ी केन्द्र भवन में शौचालय निर्माण एवं चापाकल का अधिष्ठापन का निदेश दिया गया। पोषण ट्रेकर के विभिन्न सूचाकांको पर प्रगति कम होने के कारण अलग से समीक्षा कराने का निदेश जिला प ा ् ो ग ा ् ा म ा पदाधिकारी,(आई0सी0डी0एस0), बाँका को दिया गया। अंचल अधिकारी, बाँका को हवाई अडडा के निर्माण हेतु भूमि की नापी करने हेतु निदेशित किया गया। यातायात की समस्या को देखते हुए प्रखंड अमरपुर, शंभूगंज, बेलहर , रजौन, बाराहाट एवं बौंसी में बस स्टैण्ड के निर्माण हेतु भूमि चिन्हित करने के लिए संबंधित अंचल अधिकारी, बाँका जिला को दिया गया। साथ ही यह भी निदेश दिया गया कि यदि बस स्टैंड जीर्ण-शीर्ष है वहाँ नया बस स्टैंड बनाया जाय। अमरपुर में बाइपास निर्माण के क्रम में सभी अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराने का निदेश अंचल अधिकारी, अमरपुर को दिया गया। अग्निपीड़ित एवं अन्य आपदाओं से मृत होने व्यक्तियों के आश्रितों को अनुदान देने का निदेश दिया गया। बाँका जिला अन्तर्गत निर्मित पंचायत सरकार भवन, तालाब, पोखर एवं विभिन्न पंचायतों में साफाई करते कर्मियों का हाई रेजल्यूलेशन विडियों का क्लिप ग्रुप में शेयर करें। राजस्व विभाग के अन्तर्गत दाखिल-खारिज, परिमार्जन, परिमार्जन प्लस लगान वसूली, ई-मापी एवं भूमि-सर्वेक्षण इत्यादि में तेजी लाने हेतु निदेशित किया गया। विकसित बिहार सर्वे हेतु प्राप्त लक्ष्य 3 लाख के विरूद्ध 47 हजार सर्वे किया गया है। इस संदर्भ में विकसित बिहार सर्वे कार्य में तेजी लाने का निदेश दिया गया। प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय फुल्लीडुमर के निर्माण हेतु भूमि चिन्हित करने के लिए अंचल अधिकारी, फुल्लीडुमर को निदेश दिया गया। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस छात्रावास हेतु भूमि चिन्हित करने हेतु निदेश सभी अंचल अधकारी, बाँका जिला को दिया गया। साथ ही, भूमि का चयन बाजार के आसपास क्षेत्र में किया जाय। निलामपत्र वाद के अविलंब निष्पादन हेतु जिला परिवहन पदाधिकारी, बाँका एवं निदेशक, डी0आर0डी0ए0,बाँका, अपर समाहर्त्ता, विभागीय जाँच को निदेश दिया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी, बाँका को ळ३ ्ल्लि फ्रे्ल्ल & ठ्ढ्ल्ल ळ३ ्ल्लि फ्रे्ल्ल के मामले में अनुदान की राशि संबंधित लाभुक को अविलंब भुगतान करने का निदेश दिया गया। प्रखंड-बाराहाट एवं फुल्लीडुमर में ई-किसान भवन निर्माण कराने का निदेश दिया गया। साथ ही, अतिरिक्त राशि की आवश्यकता है तो शीघ्र अधियाचना करें। सी0पी0ग्राम0 एवं जन शिकायत के मामले को विलंब निष्पादन कराने का निर्देश दिया गया।

बुद्धनगर भरतखण्ड में बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की मनाई गई पुण्यतिथि

दैनिक बिहार पत्रिका/ ब्यूरो रिपोर्ट

खगड़िया। जिले के परबत्ता प्रखंड के सौढ उत्तरी पंचायत के बुद्धनगर भरतखण्ड रविदास बैठका में बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षक सिद्धार्थ ने किया। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बाबा साहब भीम राव अंबेडकर के प्रारंभिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉक्टर भीम राव अंबेडकर और उनके पिता मुंबई में एक ऐसे मकान में रहने गए जहां एक ही कमरे में बेहद गरीब लोग रहते थे। इसलिए दोनों एक के लिए एक साथ सोने की व्यवस्था नहीं थी तो बाबा साहेब अंबेडकर और उनके पिता बारी बारी से सोया करते थे। जब उनके पिता सोते थे तो डॉक्टर भीम राव अंबेडकर दीपक की हल्की सी रोशनी में पढ़ते थे। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर संस्कृत पढ़ना चाहते थे लेकिन छुआछूत की वजह से संस्कृत नहीं पढ़ पाए। डॉक्टर भीम राव अंबेडकर ने वर्ष 1915 में कोलंबिया

विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम ए की डिग्री प्राप्त की। वर्ष 1917 में ही स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स में दाखिला लिया। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि बाबा साहेब अंबेडकर 64 विषयों में मास्टर थे। इसके साथ ही उन्होंने विश्व के सभी धर्मों के बारे में पढ़ाई की। बाबा साहेब का कहना था कि शिक्षा वह शेरनी का दूध है, जो जितना पीएगा, वो उतना दहाड़े गा। बाबा साहेब अंबेडकर का विचार था कि मैं ऐसे धर्म को मानता हूँ जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा सिखाएं। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर को भारतीय संविधान का जनक कहा जाता है। वह भारत संविधान के मुख्य वास्तुकार भी थे ।उन्हें 1947 में मसौदा समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया। बाबा साहब स्वतंत्र भारत के पहले कानून और न्याय मंत्री भी थे। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि बाबा साहब अंबेडकर जी के द्वारा रचित संविधान की खासियत यह है कि संविधान को विश्व का कोई भी देश नकार नहीं सकता है। भारतवर्ष का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा संविधान है।26 जनवरी 1949 को बाबा साहब भीम राव अंबेडकर ने संविधान को तैयार करके भारत सरकार को सौंपा और 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि जातीय भेदभाव को दूर करने के लिए बाबा साहब भीम राव अंबेडकर ने 1920 के दशक में आंदोलन शुरू किया। बाबा साहब ने 1924 में बहिष्कृत हितकारी सभा का गठन किया। बाबा साहब ने 1927 में जातीय भेदभाव के विरुद्ध सत्याग्रह शुरू किया। हिंदू धर्म में भेदभाव का विरोध करते हुए अपने अनुयाई के साथ बौद्ध धर्म को अपना लिया। और अंतिम समय तक बौद्ध धर्म के ही अनुयाई रहे । डॉक्टर भीम राव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण 6 दिसम्बर 1956 को दिल्ली में हुआ। सदा के बाबा साहब भीम राव अंबेडकर 6 दिसंबर 1956 को चिर निंद्रा में सो गए। बाबा साहब को श्रद्धांजलि देने वाले में शिक्षक सिद्धार्थ कुमार, इंजीनियर निरंजन दास, गोपाल दास, संतराज, राजकिशोर दास, जवाहर दास, अभिनंदन दास, राजकुमार दास, मनीष दास, नवीन दास, उत्कर्ष कुमार ने बाबा साहब भीम राव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि और श्रद्धांजलि अर्पित किए।

रेलवे की बोगी का डिजाइन का रेस्टोरेंट खगड़िया रेलवे स्टेशन पर काफी चचाओं में

दैनिक बिहार पत्रिका/मों साजिद

खगड़िया कटिहार बरौनी रेलखंड खगड़िया स्टेशन पर बने हुए रेलवे डिब्बे की डिजाइन का रेस्टोरेंट अभी चर्चा में है। बताया जा रहा है। कि खगड़िया जिला में इन दिनों आस-पास के एरिया सहित गोगरी महेशखूँट कई जिलों से यहां पर अच्छे नाश्ता एवं फोटो सेल्फी को लेकर भी यहां पर आते हैं। अनोखा डिजाइन के कारण काफी अच्छा है। खाने का भी सारा स्वाद। है वही बता से चले कि इन दिनों यह रेस्टोरेंट काफी चर्चा में है। क्योंकि नब निर्मित है। इसी कारण यहां पर साउथ का खाना नेपाली पासपोर्ट भारत की खाना सभी चीजों का यहां पर व्यवस्था है और उचित मूल्य पर सभी चीज मिलती है जब बिहार पत्रिका के पत्रकार यहां के मैनेजर से बात करने पहुंचे तो उन्होंने बताया कि यहां पर सारा सुविधा जो आपको रेस्टोरेंट में मिलेगा। उससे बेहतर सुविधाएं मिलने का हम सभी का मकसद है व्यवहार भी मिलेगा।

PG 4_Layout 1 12/7/2024 12:53 AM Page 1

लोजपा सांसद ने कहा, बिहार के विकास के लिए वापस लौटें बिहारी छात्र

मुंगेर । बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए राजनीतिक पार्टियों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। एनडीए में शामिल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) भी जिला स्तर पर पार्टी को मजबूती प्रदान करने में जुटी है।लोजपा सांसद भी इन कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) से सांसद अरुण भारती मुंगेर जिले में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे। कार्यक्रम में उन्होंने जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर की तारीफ की।उन्होंने कहा कि हम लोग बिहार से दूर जाकर पढ़े और अब अपने क्षेत्र और राज्य के लिए कुछ करना चाहते हैं।आने वाले समय में हम चाहते हैं कि जो भी बिहारी छात्र बाहर पढ़ने गए थे, वहां नौकरी या फिर व्यापार कर रहे हैं, वह बिहार जरूर लौटें।यहां आकर वह यह जरूर सोचें कि हम अपने क्षेत्र में विकास के लिए कौन-कौन से कार्य कर सकते हैं। जहां तक संभव हो उस काम को धरातल पर उतार सकें। उन्होंने कहा, किशोर बिहार के रहने वाले हैं। वह अब अपना पूरा समय बिहार को दे रहे हैं। प्रशांत किशोर ने कहा था कि उनका पूरा फोकस अब बिहार पर रहेगा।वह बिहार को अन्य राज्यों की तरह प्रगति करते हुए देखना चाहते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने ऐलान किया है कि जनसुराज पार्टी बिहार का आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगी। वहीं, पीके नाम से मशहूर प्रशांत किशोर बिहार की एनडीए सरकार के साथ ही साथ आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पर भी जमकर बरस रहे हैं। प्रशांत कई बार कई मंचों से कह चुके हैं कि 9वीं फेल नेता कभी बिहार की प्रगति नहीं कर सकता है।

महिला पुलिस अधिकारी को धमकाने के मामले में मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के खिलाफ एफआईआर

जयपुर ।राजस्थान में भजनलाल सरकार का अंदरूनी झगड़ा अब विवाद का रूप लेता जा रहा है। भाई जगमोहन मीणा के दौसा से चुनाव हारने पर भीतरघात का आरोप लगाने के बाद से ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा नाराज चल रहे हैं।अब मंत्री के महिला थानेदार कविता शर्मा को धमकाने के मामले में पुलिस ने मंत्री रिपोर्ट लिख दी है। बीते मंगलवार देर रात हुए घटनाक्रम की रिपोर्ट डालने के बाद सीनियर अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई है और मंत्री पर राजकार्य में बाधा डालने का आरोप लगा है। वहीं, मंत्री मीणा ने भी महेशनगर पुलिस थाने की सीआई कविता शर्मा पर फर्जी तरीके से नौकरी हासिल करने का आरोप लगाया है। दरअसल, महावीर नगर में एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग करने वाले छात्र नेताओं को पुलिस गिरफ्तार करने गई थी।तभी छात्र नेता विकास विधूड़ी ने मंत्री मीणा को कॉल सूचना दी। मौके पर पहुंचे मंत्री किरोड़ीलाल महिला थानेदार पर ही भड़के और उन्हें खूब खरी खोटी भी सुनाई। यही नहीं, मंत्री के साथ आए लोग पुलिस की गाड़ी से एक युवती को भी उतार अपने साथ ले गए। घटनाक्रम के बाद सुबह किरोड़ीलाल मीणा ने पूरे मामले की शिकायत गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम से की और सीआई को हटाने की मांग की। जबकि सीआई कविता शर्मा का कहना है कि वे उच्च अधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई कर रही थीं और अपनी ड्यूटी निभाने में लगी थीं।

बाबा सिद्दीकी से पहले हिट लिस्ट में थे अभिनेता सलमान खान

मुंबई। पिछले कई महीनों से बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जान से मारने की धमकी मिल रही है। इतना ही नहीं बिश्नोई गैंग द्वारा सलमान खान के घर पर फायरिंग भी की गई थी। सलमान खान के बेहद करीबी दोस्त और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी को बिश्नोई गैंग के तीन शूटरों ने मुंबई में गोली मार दी थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर बिश्नोई गैंग की ओर से एक पोस्ट शेयर कर इस हत्या की जिम्मेदारी ली गई। बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में अब तक पुलिस ने 26 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस बीच खबर है कि बाबा सिद्दीकी मामले में गिरफ्तार आरोपियों ने अब एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा किया है। आरोपी ने कहा कि बाबा सिद्दीकी से पहले उसका टारगेट सलमान खान थे। हालांकि कड़ी सुरक्षा के चलते वे सलमान खान पर गोली नहीं चला सके। उसने कई बार सलमान खान पर गोली चलाने की कोशिश की। लेकिन सलमान खान के आसपास भारी सुरक्षा के कारण यह संभव नहीं हो सका। बता दें कि सलमान खान को पिछले कुछ दिनों से बिश्नोई गैंग से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। सलमान कड़ी सुरक्षा के बीच अपनी फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं। लगातार मिल रही धमकियों के चलते उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 1 करोड़ का सोना जब्त, फूड स्टॉल कर्मचारी समेत दो गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज हवाई अड्डे पर सोने की तस्करी के मामले में सीमा शुल्क अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर काम करने वाले और विदेश से आए एक व्यक्ति को हवाई अड्डे के बाहर एक फूड स्टॉल के एक कर्मचारी के साथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में डेढ़ किलो सोना जब्त किया गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस सोने की कीमत 1 करोड़ 5 लाख रुपये है। बताया गया है कि सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों को सूचना मिली थी कि दुबई से मुंबई में सोने की तस्करी की जा रही है। जिसके बाद संबंधित उड़ान से उतरे एक यात्री को अधिकारियों द्वारा निगरानी में रखा गया था। इस शख्स का नाम है मुशाहिद अख्तर अंसारी। मुंबई एयरपोर्ट पर उतरने के बाद अंसारी मोबाइल चार्जिंग पॉइंट पर अपना मोबाइल चार्ज करने के लिए खड़ा था। इसी दौरान एयरपोर्ट पर काम करने वाली सोनाली नाम की युवती उनके पास पहुंची। अंसारी ने सोनाली को एक बटुआ दिया। इस बटुए को देने के बाद जब अधिकारियों ने सोनाली से पूछताछ की तो उन्हें उसके पास से यह सोना मिला। सोनाली ने कबूल किया कि अंसारी ने उसे यह सोना दिया है और वह इसे हवाई अड्डे के बाहर एक फूड स्टॉल में काम करने वाले तरबेज शेख को देगी। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया और आगे

भारत से दुश्मनी और पाकिस्तान से दोस्ती के लिए बेचैन है बांग्लादेश की यूनुस सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक पर एक बार हिंसा बढ़ गई है। शेख हसीना सरकार की तख्तापलट के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। इतिहास में जाएं तो बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा के कारण से ही भारत ने हस्तक्षेप किया था। जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान नाम की जगह खत्म हो गई और बांग्लादेश का उदय हुआ। एक बार फिर हिंसा की आग में बांग्लादेश झुलस रहा है। सरकार के फैसले भी यही संकेत दे रहे हैं कि बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान बनने की राह पर है। पाकिस्तान से बढ़ती नजदीकियां भी यही इशारा कर रही हैं।

बांग्लादेश का रवैया भारत के प्रति अच्छा नहीं है। बांग्लादेश लगातार भारत विरोधी कदम उठा रहा है और पाकिस्तान से दोस्ती के लिए खुद का नुकसान करने से भी पीछे नहीं हट रहा है। इसी साल सितंबर में पाकिस्तान ने घोषणा की थी कि बांग्लादेशी बिना किसी वीजा शुल्क के पड़ोसी देश की यात्रा कर सकेंगे। इसके बाद अंतरिम सरकार ने बांग्लादेशी वीजा के लिए आवेदन करने से पहले पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सुरक्षा मंजूरी प्राप्त करने की आवश्यकता को हटा दिया है। और अब बांग्लादेश ने भारत से अपने 2 राजनियक को वापस बुला लिया है। खबर है कि बांग्लादेश ने भारत से अपने दो राजनयिक को वापस बुलाया है। यह फैसला बांग्लादेश ने तब लिया है जब दोनों देश के बीच तनाव बढ़ रहा है। हालात ये हैं कि बांग्लादेश ने पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा से अपने दो राजनयिक को वापस बुलाया है। इधर भारत के साथ तनाव के बीच बांग्लादेश दुनिया को साधने चला है। बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस 27 यूरोपियन देशों के राजनयिकों से मिलेंगे। यूनुस 9 दिसंबर को ढाका में यूरोपियन देशों के राजनयिकों से मिलेंगे। 27 यूरोपियन देशों राजनयिकों में 20 राजनयिक दिल्ली में मौजूद हैं जबकि 7 ढाका में। बैठक का मकसद बांग्लादेश और यूरोपियन देशों के बीच सहयोग को बढ़ाना है। मालूम हो कि हाल ही में त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में बांग्लादेश के राजनयिक मिशन में तोड़फोड़ हुई थी। बाद में इस मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। कैम्पस में घुसपैठ के मामले में 4 पुलिस अफसरों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई थी। वहीं, बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त को तलब कर घटना का विरोध जताया गया था। साथ ही बांग्लादेश ने अगरतला में अपनी काउंसलर सर्विस भी बंद करने का ऐलान किया था। अब बांग्लादेश ने त्रिपुरा से अपने डिप्लोमेट को वापस बुला लिया है।

गांधी के परिवार ने देश के लिए अपनी कुर्बानी दी : प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली । राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने भाजपा सांसद संबित पात्रा की उस टिप्पणी पर घोर आपत्ति जाहिर की है, जिसमें उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर देशद्रोह का आरोप लगाया था। वहीं किसानों और उन्हें रोकने के लिए प्रशासन की तरफ से लगाई गई बैरिकेडिंग को लेकर कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा, यह केंद्र सरकार की क्रूरता है। जब तीन साल पहले करीब 700 किसानों की शहादत हुई थी, तब उन्होंने खुद ही समझौता किया था। न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार के कृषि मंत्री एवं किसानों के बीच समझौता हुआ था। लेकिन अगर वे आज मुखर रहे हैं, तब यह विश्वासघात है। भाजपा प्रवक्ता पात्रा के राहुल गांधी को देशद्रोही बोलने और देश का नैरेटिव खराब करने के सवाल पर कांग्रेस नेता तिवारी ने कहा, जिन्होंने अंग्रेजों की मुखबिरी की और अंग्रेजों की फौज में भर्ती होने का पत्र लिख रहे थे, उन्ही संगठनों के राजनीतिक दल के सदस्य पात्रा ने ये घटिया आरोप लगाया है। याद कर लें कि देशद्रोह करने का काम भाजपा के मातृ संगठन ने किया था। राहुल गांधी के परिवार ने देश के लिए अपनी कुर्बानी दी। उनके खून में देश के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना है। वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभल और बांग्लादेश के हालात पर 500 साल पहले बाबर के समय से तुलना करने पर कांग्रेस नेता ने कहा, भाजपा डीएनए पर नहीं जाए। वरना आजादी के समय या उससे पहले जो किया, कहीं डीएनए टेस्ट हो तब भाजपा का डीएनए ही बाबर और औरंगजेब से नहीं निकाल आए।

दिल्ली में एनओ2 का स्तर बढ़ने से अस्पताल जाने के मामले बढ़ेः नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा दिल्ली में पांच स्थानों पर किए गए एक अध्ययन में पता चला है कि नाइट्रोजन डाईऑक्साइड (एनओ2) जैसे यौगिकों के स्तर में वृद्धि के साथ लोगों को सांस लेने में घरघराहट पैदा होने तथा आपात स्थिति में अस्पताल जाने के मामलों में वृद्धि देखी गई है।

उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। मंत्री पे कहा कि सरकार ने वायु प्रदूषण पर एक स्वास्थ्य परामर्श जारी किया है और वायु प्रदूषण के मुद्दों के समाधान के लिए कई कदम भी उठाए हैं। नड्डा ने कहा कि भारत सरकार ने 1,561 'प्रेशर स्विंग एड्शॉर्पशन' (पीएसए) ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि देश में पीएम केयर्स फंड के तहत 1,225 पीएसए संयंत्रलगाए गए हैं। उनका कहना था कि इसके अतिरिक्त, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बिजली, कोयला, रेल मंत्रालयों के तहत आने वाले सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा अब तक 336 पीएसए संयंत्र स्थापित किए गए हैं।

बंगाल को बर्बाद करने में तुली ममता बनर्जी, भाजपा आईटी सेल प्रमुख का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वे प्रदेश को बर्बाद करने में तूली हुई हैं। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख ने अपनी बात को साबित करने के लिए एक आंकड़ा भी साझा किया। भाजपा नेता ने बंगाल से जुड़े कुछ चौंकाने वाले आंकड़े साझा कर कहा, बंगाल भारत में करीब 67 फीसदी केरोसिन की खपत करता है और यह स्थिति एलपीजी के पर्याप्त आपूर्ति के बावजूद बनी हुई है। उन्होंने सवाल उठाया, 'क्या कारण हो सकता है? गरीबी, कालाबाजारी या बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी, सत्तारूढ़ टीएमसी के लिए वोट बैंक के रूप में दोगुना हो रहे हैं?' उन्होंने कहा, 'कारण चाहे जो भी हो। लेकिन, इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि ममता अपने पीछे एक बर्बाद राज्य छोड़ रही हैं।

उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद समिक भट्टाचार्य ने राज्यसभा में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी से मुद्दे को लेकर सवाल पूछे थे। मालवीय ने इसी प्रश्न को आधार बनाकर यह प्रतिक्रिया दी।

दरअसल, भाजपा सांसद भट्टाचार्य ने सवाल किया था कि क्या बंगाल देश में सबसे अधिक मात्रा में केरोसिन की खपत करता है? क्या सरकार ने दावे का संज्ञान लिया है कि केरोसिन का सेवन बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा किया जाता है? इस तरह के दुरुपयोग को रोकने और इच्छित लाभार्थियों को यह सुनिश्चित करने के लिए निगरानी और वितरण में सुधार के लिए क्या उपाय लागू किए जा रहे हैं।

इन सभी सवालों के जवाब में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि भारत सरकार खाना पकाने के उद्देश्य से तिमाही आधार पर बंगाल सहित अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत मिट्टी के तेल का आवंटन करती है। वर्ष 2023-24 के दौरान विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को पीडीएस एसकेओ का आवंटन अनुबंध मे दिया गया है।÷

उन्होंने कहा, 'वर्ष 2023-24 के दौरान, बंगाल राज्य को 7,04,016 केएल पीडीएस एसकेओ आवंटित किया गया था, जो देश भर के राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों को किए गए 10,60,524 केएल के कुल आवंटन का 66.38 फीसदी है। भारत सरकार ने समय-समय पर संशोधित केरोसिन (उपयोग पर प्रतिबंध और अधिकतम कीमत का निर्धारण) आदेश 1993 जारी किया है, जिसमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत केरोसिन की बिक्री केवल खाना पकाने और रोशनी के प्रयोजनों के लिए पात्र उपभोक्ताओं तक सीमित कर दी गई है।

वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा करने अब तक दिल्ली में 28 बैठकें हुईं: जगदंबिका पाल

*** बैठकों में इस्लामिक विद्वानों, न्यायाधीशों, वाइस चांसलर्स और अन्य साथी स्तंभ शामिल हुए**

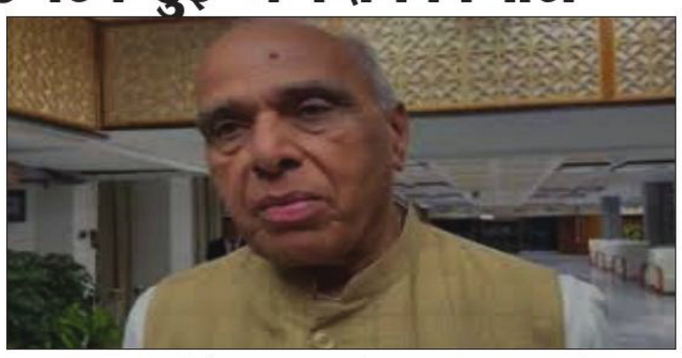

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में वक्फ संशोधन विधेयक पर जेपीसी की संयुक्त समिति की गतिविधियों का जायजा लेते हुए अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने बताया कि इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर 28 बैठकें आयोजित की गई हैं। यहां विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की जा रही है। जेपीसी ने इस संशोधन पर सभी पक्षों की राय लेने के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा किया है। मुख्य धारा में वक्फ संशोधन विधेयक को गहरी समझने के उद्देश्य से बैठकों में इस्लामिक विद्वानों, न्यायाधीशों, वाइस चांसलर्स और अन्य साथी स्तंभों को शामिल किया गया है। साथ ही विभिन्न मंत्रालयों के प्रतिनिधि और अल्पसंख्यक संगठनों के प्रतिनिधियों से भी चर्चा की जा रही है। जगदंबिका पाल ने बताया कि वक्फ संशोधन विधेयक के सभी पहलुओं पर गहरी चर्चा की जा रही है और सरकार चाहती है कि इस विधेयक से जुड़े सभी मामलों पर विस्तार से विचार किया जाए। जेपीसी का मुख्य लक्ष्य देशभर से विभिन्न मुद्दों पर राय लेना और सभी पक्षों की चिंताएं समझना है। इसके अतिरिक्त संसदीय समिति की बैठक में अल्पसंख्यक मंत्रालय के अधिकारियों ने भी अपने पक्ष को साझा किया। पाल ने पिछले हफ्ते लोकसभा समिति के कार्यकाल को बढ़ाए जाने के प्रस्ताव की मंजूरी दी थी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वक्फ संशोधन विधेयक पर गहरी चर्चा की जा रही है। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर संसदीय समिति के विचारों और सुझावों की प्रक्रिया तेजी से बढ़ रही है, जिससे इस महत्वपूर्ण विधेयक के बारे में समस्त पक्षों की दृष्टि स्पष्ट हो सके।

भाजपा वाले कुछ भी कहें, राहुल गांधी के लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं : प्रियंका गांधी

भिवाड़ी (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को ''देशद्रोही'' कहे जाने पर शुक्रवार को कहा कि सत्तारूढ़ दल के लोग कुछ भी कहें, उन्हें फर्क नहीं पड़ता क्योंकि उनके भाई के लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं है।

उन्होंने कहा कि जो लोग देश की आजादी के लिए 13 साल जेल में काटने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाली इंदिरा गांधी को 'देशद्रोही' कह सकते हैं, उनके लिए राहुल गांधी के लिए इस शब्द का इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है।

प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''जो लोग आजादी की लड़ाई में 13 साल जेल में रहने वाले जवाहरलाल नेहरू जी को देशद्रोही कह सकते हैं, जो पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाली और शहीद हुईं इंदिरा जी को देशद्रोही कह सकते हैं, जो राजीव गांधी जी को देशद्रोही कह सकते हैं, वो अगर राहुल जी के लिए ऐसा कह रहे हैं, तो कोई नई बात नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे मेरे भाई पर बहुत गर्व है, उनके लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने देश की एकता के लिए आठ हजार किलोमीटर की यात्रा की जिसमें से चार हजार किलोमीटर की पदयात्रा थी।''

प्रियंका गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, '' ये लोग कुछ भी कहते रहें, फर्क नहीं पड़ता।'' भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया था कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भारत को अस्थिर करने का प्रयास कर रही खोजी मीडिया समेत अंतरराष्ट्रीय ताकतों के साथ संबंध रखते हैं और वह देशद्रोही हैं।

हरियाणा में नए जिले, उप मंडल, तहसील और उप तहसील की संभावना

– चार सदस्यीय कमेटी का किया गया गठन, तीन महीने में सरकार को सौंपेगी रिपोर्ट

चंडीगढ़ । हरियाणा में एक ऐतिहासिक फैसले को लेकर चार सदस्यीय कमेटी का गठन हुआ है जो नए जिले, उप मंडल, तहसील और उप तहसील के गठन के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इस कमेटी का अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार को निर्वाचित किया गया है। इसके तीन महीने के अध्ययन के बाद कमेटी अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। इस कमेटी का मुख्य उद्देश्य है हरियाणा के प्रशासनिक सुधारों की समीक्षा करना और नए जिले, उपमंडल, तहसील और उप-तहसील के गठन के बारे में सुझाव देना। कमेटी को संयुक्त रूप से वित्तायुक्त राजस्व और राजस्व एवं आपदा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के नेतृत्व में गठित किया गया है। पिछली महीने में जून के चुनावों में हार के बाद कमेटी की रिपोर्ट को दोहराने की मांग उठी थी। हालांकि, वर्तमान जिलों में कारगर संगठन और प्रशासनिक व्यवस्था है, लेकिन नए जिले के गठन से प्रदेश के विकास में और गति लाने की उम्मीदें हैं। विधायकों की इस कमेटी में शामिल होने की संभावना है, जिससे स्थानीय जनता की भी सुनवाई हो सके।

भुवनेश्वर में न्यायिक परिसर से सांप पकड़ा गया

भुवनेश्वर । ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में नवनिर्मित न्यायिक परिसर का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा बृहस्पतिवार को उद्घाटन किए जाने से कुछ घंटे पहले वहां से दो फुट का एक सांप पकड़ा गया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि सांप को इमारत के मुख्य द्वार के पास एक चालक ने देखा और परिसर में अन्य लोगों को सतर्क किया। अधिकारी ने कहा कि सांप हेल्पलाइन की एक टीम मौके पर पहुंची और सांप को पकड़ा। एहतियात के तौर पर टीम ने पूरे परिसर की तलाशी भी ली।

भारत-चीन समझौतों के तहत शांति-सौहार्द बनाए रखने की आवश्यकता पर दिया जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख में बीते करीब साढ़े चार साल से अधिक समय से जारी एलएसी विवाद की 21 अक्टूबर 2024 को हुई समाप्ति के बाद गुरुवार को राजधानी दिल्ली में भारत और चीन के बीच सीमा संबंधी मामलों के समाधान के लिए गठित किए गए कूटनीतिक तंत्र यानी डब्ल्यूएमसीसी की 32वीं बैठक हुई। इसमें भारतीय पक्ष का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) गौरांग लाल दास ने किया। जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई वहां के विदेश मंत्रालय के तहत आने वाले सीमा और महासागरीय मामलों के विभाग के महानिदेशक होंग लियांग ने की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। इसमें बताया कि बैठक के बाद चीन के महानिदेशक ने भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री से शिष्टाचार मुलाकात भी की। मंत्रालय ने बताया कि इस बैठक में जहां एक ओर दोनों पक्षों ने एलएसी पर विवाद समाप्ति को लेकर हुए समझौते के सकारात्मक क्रियान्वयन को लेकर प्रतिबद्धता जाहिर की। वहीं, रूस के कजान में 23 अक्टूबर 2024 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई पहली द्विपक्षीय बैठक में लिए गए निर्णय के मुताबिक विशेष प्रतिनिधियों (विदेश मंत्री, एनएसए और विदेश सचिव स्तर की बैठक) की अगली बैठक को लेकर तैयारी पर मंथन किया गया।

सीमाई हालात की समीक्षा की

बैठक में दोनों पक्षों ने 21 अक्टूबर को हुए विवाद समाप्ति समझौते के बाद सीमा पर बने हुए हालातों की समीक्षा की। इसमें वर्ष 2020 के घटनाक्रम से दोबारा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने को लेकर ली गई सीख भी शामिल है। मामले पर दोनों ने स्थापित तंत्र की मदद से लगातार आदान-प्रदान और कूटनीतिक व सैन्य स्तर पर संवाद बनाए रखने के महत्व को भी रेखांकित किया। साथ ही प्रभावी सीमा प्रबंधन, शांति-सौहार्द कायम करने और इसकी बहाली के लिए भारत और चीन के बीच मौजूद द्विपक्षीय समझौतों, प्रोटोकॉल और दोनों सरकारों के बीच बनी आपसी समझ के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता पर भी बल दिया।

एडिलेड टेस्ट : पहले दिन का खेल खत्म, ऑस्ट्रेलिया की सधी शुरुआत, एक विकेट पर बनाये 86 रन

एजेंसी, एडिलेड

ऑस्ट्रेलिया ने यहां भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे दूसरे टेस्ट (डे-नाइट) के पहले दिन का खेल खत्म होने पर अपनी पहला पारी में 1 विकेट पर 86 रन बना लिए हैं। मार्नश लाबुशेन 20 और नाथन मेकस्विनी 38 रन बनाकर नाबाद हैं। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत से 94 रन पीछे है। भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए थे।

भारत को 180 रन पर समेटने के बाद बल्लेबाजी करने आई ऑस्ट्रेलियाई टीम की भी शुरुआत खराब रही और केवल 24 रनों के कुल स्कोर पर जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। ख्वाजा ने 13 रन बनाए। इसके बाद लाबुशेन और मेकस्विनी ने संभलकर खेलना शुरु किया, हालांकि पंत ने मेकस्विनी को एक जीवनदान भी दिया, जिसका उन्होंने फायदा उठाते हुए लाबुशेन के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए अब तक 62 रन जोड़ दिये हैं। दिन का खेल खत्म होने पर लाबुशेन 20 और मेकस्विनी 38 रन बनाकर नाबाद हैं।

भारत की पहली पारी 180 पर सिमटी, नीतीश रहे शीर्ष स्कोरर : इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए। भारत के लिए नीतीश रेड्डी शीर्ष स्कोरर रहे, उन्होंने 42 रन बनाए। नीतीश के अलावा केएल राहुल ने 37, शुभमन गिल ने 31, रविचंद्रन अश्विन ने 22 और ऋषभ पंत ने 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टॉर्क ने 6 विकेट झटके। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मिचेल स्टॉर्क ने मैच की पहली ही गेंद पर पिछले मैच के शतकवीर यशस्वी जायसवाल (00) को एलबीडब्ल्यू कर भारत की शुरुआत बिगाड़ दी।

राहुल-गिल के बीच 69 रनों की साझेदारी : इसके बाद केएल राहुल और शुभमन गिल ने मिलकर भारतीय पारी को संभालने की कोशिश की और दूसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। खतरनाक दिख रही इस जोड़ी को स्टॉर्क ने अपने दूसरे स्पैल की पहली गेंद पर केएल राहुल को आउट कर तोड़ा। राहुल ने 37 रन बनाए। विराट कोहली कुछ खास नहीं कर सके और केवल 7 रन बनाकर स्टॉर्क का तीसरा शिकार बने।

स्कॉट बोलैंड ने इसके बाद 81 के कुल स्कोर पर शुभमन गिल को एलबीडब्ल्यू आउट कर भारत को चौथा झटका दिया। गिल ने 31 रन बनाए। 87 के कुल स्कोर पर बोलैंड ने रोहित शर्मा (03) को आउट कर भारत को पांचवां झटका दिया। 109 के कुल स्कोर पर पंत पैट कमिंस का शिकार बने। पंत ने 21 रन बनाए। यहां से नीतीश रेड्डी और रविचंद्रन अश्विन ने टीम का स्कोर 141 रन तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर स्टॉर्क ने अश्विन को आउट कर भारत को सातवां झटका दिया। अशअविन ने 22 रन बनाए। स्टॉर्क ने इसके बाद इसी ओवर में हर्षित राणा (00) को बोल्ड कर अपने पांच विकेट पूरे किये।

नीतीश ने खेली तेज पारी : राणा के आउट होने के बाद नीतीश रेड्डी ने अपने हाथ खोले और स्टॉर्क और बोलैंड को आड़े हाथों लिया। उन्होंने बोलैंड के एक ओवर में 2 छक्के सहित 21 रन कूट डाले। इसी बीच जसप्रीत बुमराह (00) को कमिंस ने पवेलियन भेज दिया। 180 के कुल स्कोर पर स्टॉर्क की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में नीतीश ट्रैविस हेड को कैच दे बैठे। नीतीश ने 42 रनों की शानदार पारी खेली, उन्होंने अपनी पारी में 3 छक्के लगाए। वहीं, स्टॉर्क ने पारी में 6 विकेट लिए, भारत के खिलाफ उन्होंने पहली बार एक पारी में 6 विकेट हासिल किये। स्टॉर्क के अलावा कप्तान पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट लिए।

भारत ने किये तीन बदलाव : बता दें कि भारतीय टीम ने इस मैच के लिए अपनी टीम में तीन बदलाव किये। देवदत्त पडिकल, ध्रुव जुरेल और वाशिंगटन सुंदर की जगह टीम में कप्तान रोहित शर्मा, शुभमन गिल और रविचंद्रन अश्विन को शामिल किया गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने चोटिल जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड को टीम में शामिल किया।

फीफा क्लब विश्व कप 2025: मिस्र के क्लब अल अहली के खिलाफ टूर्नामेंट की शुरुआत करेंगे मेसी और इंटर मियामी

एजेंसी, मियामी

लियोनेल मेसी और इंटर मियामी मिस्र के क्लब अल अहली के खिलाफ क्लब विश्व कप की शुरुआत करेंगे, जिसमें पाल्मेरास और पोर्टो भी अगले साल अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट के लिए उस समूह का हिस्सा होंगे। ड्रॉ गुरुवार को मियामी में आयोजित किया गया, जिसमें 32 टीमों को नए विस्तारित आयोजन में अपने पहले तीन प्रतिद्वंद्वियों का पता चला। यह टूर्नामेंट 15 जून से 13 जुलाई तक अमेरिका में 11 अलग-अलग शहरों के 12 स्टेडियमों में आयोजित किया जाएगा। फाइनल न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में मेटलाइफ स्टेडियम में होगा, वही स्टेडियम जो 2026 विश्व कप फाइनल की मेजबानी करेगा। क्लब विश्व कप पावरहाउस क्लबों में मैनचेस्टर सिटी, रियल मैड्रिड, बायर्न म्यूनिख, पेरिस सेंट-जर्मेन, चेल्सी, बोरुसिया डॉर्टमुंड और इंटर मिलान शामिल हैं। इनके अलावा दक्षिण अमेरिका की चार सर्वोच्च रैंक वाली टीमें फ्लेमेंगो, पाल्मेरास, रिवर प्लेट और फ्लूमिनेंस भी टूर्नामेंट का हिस्सा हैं। मेजबान देश के प्रतिनिधि के रूप में मेसी की टीम इंटर मियामी को पहला मैच खेलने का गौरव प्राप्त है। यह फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में हार्ड रॉक स्टेडियम में होगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, "यह समावेशिता के बारे में है, यह दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ 32 क्लबों और दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को एक साथ लाने के बारे में है।" अन्य शुरुआती मुकाबलों में पेरिस सेंट-जर्मेन बनाम एटलेटिको मैड्रिड, ग्रुप बी में ब्राजीली क्लब बोटाफोगो बनाम सिएटल, ग्रुप ई में मॉन्टेरी बनाम इंटर मिलान और ग्रुप एच में रियल मैड्रिड का सामना सऊदी क्लब अल-हिलाल से होगा। क्लब प्रतियोगिता में 1998 से 2022 तक विश्व कप द्वारा उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक 32-टीम प्रारूप का उपयोग किया जाता है।

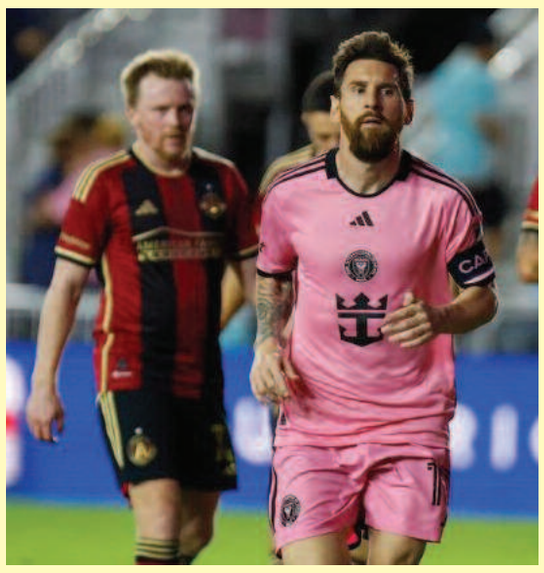

रोहन बोपन्ना ने टीपीएल में प्रतिस्पर्धा करने को लेकर कहा- यह एक रोमांचक प्रारूप, खेलने में आ रहा मजा

एजेंसी, मुंबई

दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन 6 में मार्की खिलाड़ियों में से एक हैं। दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन बोपन्ना राजस्थान रेंजर्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जो मिक्स्ड डबल्स और पुरुष डबल्स श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) में तीन दिनों के टेनिस एक्शन के बाद, उनकी टीम 154 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है और फाइनल के लिए क्वालीफिकेशन स्थान के लिए पूरी तरह से तैयार है। बोपन्ना का यह टेनिस प्रीमियर लीग में पहला सीजन है। उन्होंने आयोजकों की ओर से जारी एक बयान में कहा, "यह एक रोमांचक प्रारूप है और यह हर किसी को चौकन्ना रखता है क्योंकि हर अंक महत्वपूर्ण है। मुझे टीपीएल खेलने में बहुत मज़ा आ रहा है।" उन्होंने लंबे समय के बाद मुंबई में खेलने को लेकर कहा, "2007 में मैंने आखिरी बार मुंबई में खेला था और मुझे यहां खेलना बहुत पसंद है। मैंने इसी खास कोर्ट पर दो एटीपी फाइनल खेले हैं।" राजस्थान रेंजर्स में, बोपन्ना अपने पूर्व युगल साथी लिएंडर पेस के साथ फिर से जुड़ गए हैं, जो टीम के मेंटर हैं। पेस के साथ फिर से काम करने के अवसर के बारे में पूछे जाने पर, बोपन्ना ने कहा, "वह इतने लंबे समय से मेरे साथी रहे हैं। इस खेल को खेलते हुए मुझे 30 साल हो गए हैं, मैंने बहुत अनुभव प्राप्त किया है और वह अतिरिक्त अनुभव लेकर आए हैं। इसलिए, यह वास्तव में एक मजेदार टीम है।" इस सीजन में टेनिस प्रीमियर लीग में कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी खेल रहे हैं और दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन उन्हें बड़े मंच पर देखकर बहुत खुश हैं। हैदराबाद स्ट्राइकर्स के 21 वर्षीय करण सिंह ने बोपन्ना का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्होंने कहा, "मैं करण को देख रहा हूँ, और मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन प्रतिभा है। हमें न केवल निजी प्रायोजकों से बल्कि महासंघ से भी इस तरह की प्रतिभा का समर्थन करने के लिए बहुत प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

आईएसएल : ईस्ट बंगाल के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी चेन्नइयन एफसी

एजेंसी, चेन्नई

चेन्नइयन एफसी और ईस्ट बंगाल एफसी शनिवार शाम चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में भिड़ेंगी, तो दोनों टीमों का लक्ष्य जीत से अपने अभियान को मजबूती देना होगा। ईस्ट बंगाल एफसी आठ मैचों में एक जीत, एक ड्रा और छह हार से चार अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे निचले स्थान पर बैठी है। हालांकि ईस्ट बंगाल ने अपने पिछले मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को 1-0 हराकर इस सीजन में जीत का स्वाद चखा थी। वहीं, चेन्नइयन एफसी 10 मैचों में तीन जीत, तीन ड्रा और चार हार से 12 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। वो लगातार दो हार का सिलसिला खत्म करके जीत की पटरी पर लौटना चाहेंगी। चेन्नइयन ने कोलकाता की क्लबों के खिलाफ अपने पिछले दो आईएसएल मैच 0-1 के समान स्कोरलाइन से गंवाए हैं, जब वे 26 सितंबर, 2024 को मोहम्मडन एससी से और फिर 30 नवंबर, 2024 को मोहन बागान सुपर जायंट से हारे थे। हालांकि, चेन्नइयन इस सीजन में 26.3% खेल समय तक बढ़त पर रही है, जो ईस्ट बंगाल एफसी के 10.5% से काफी अधिक है। चेन्नइयन अपने पिछले दो मैचों में गोलरहित रहे हैं, जो दिसंबर 2023-फरवरी 2024 के बीच उनके पिछले खराब प्रदर्शन को दोहराता है, जब वे लगातार तीन मुकाबलों में गोल नहीं कर पाए थे। ईस्ट बंगाल एफसी ने इस सीजन में पहली बार लगातार दो क्लीन शीट हासिल की है।

अंडर-19 एशिया कपः श्रीलंका को हराकर भारत फाइनल में, बांग्लादेश से होगी खिताबी भिड़ंत

एजेंसी, शारजाह

भारत ने अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत ने शुक्रवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया। भारत की तरफ से वैभव सूर्यवंशी ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 67 रनों की शानदार पारी खेली। फाइनल में भारत का सामना बांग्लादेश से होगा, जिसने पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। श्रीलंका ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.2 ओवर में 173 रन बनाए थे। 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को वैभव सूर्यवंशी और आयुष महात्रे ने तेज और अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए केवल 8.2 ओवर में 91 रन जोड़ दिये। इस दौरान वैभव ने केवल 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि 91 के ही कुल स्कोर पर विहास थेवमिका ने महात्रे को आउट कर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। महात्रे ने 28 गेंदों पर 7 चौकों की बदौलत 34 रन बनाए। इसके बाद वैभव और आंद्रे सिद्धार्थ टीम का स्कोर 14वें ओवर में 132 रन तक पहुंचाया। इसी ओवर में 148 के कुल स्कोर पर प्रवीण मनीषा ने वैभव को बोल्ड कर भारत को दूसरा झटका दिया। वैभव ने 36 गेंदों पर 6 चौके और 5 छक्कों की बदौलत 67 रन बनाए। 148 के कुल स्कोर पर सिद्धार्थ 22 रन बनाकर विरन चमुदीथा का शिकार बने। यहां से कप्तान मोहम्मद अम्मान और केपी कार्तिकेय ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और भारत को 7 विकेट से जीत दिला दी। अम्मान 25 और कार्तिकेय 11 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 21.4 ओवर में 175 रन बनाकर जीत हासिल की। इससे पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंकाई टीम 46.2 ओवर में 173 रन पर सिमट गई। श्रीलंका की तरफ से लकविन अबेसिंघे ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 69 रन बनाए। अबेसिंघे के अलावा शरुजन शनमुगनाथन ने 42 रन बनाए। भारत की ओर से चेतन शर्मा ने 3, किरन कोरमाले और आयुष महात्रे ने 2-2, हार्दिक राज और युद्धजीत गुहा ने 1-1 विकेट लिया।

जोश इंगलिस को ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम से किया गया रिलीज, शेफील्ड शील्ड में खेलेंगे

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम से जोश इंगलिस को रिलीज कर दिया गया है और अब वे शेफील्ड शील्ड खेलने के लिए वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल हो गए हैं। तीन बार की चैंपियन वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया, जो वर्तमान में इस गर्मी की स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर है, ने आज से एससीजी में न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के खिलाफ खेले जाने वाले मुकाबले के लिए इंगलिस को अपनी 13 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया था। लेकिन जब ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की कि वे एडिलेड में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए अपनी टीम में कोई परिवर्तन नहीं करेंगे, तो इंगलिस गुरुवार शाम को सिडनी के लिए रवाना हो गए और फिर वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया एकादश में शामिल कर लिया गया। इंगलिस ऑस्ट्रेलिया की बढ़ी हुई टेस्ट टीम के एकमात्र सदस्य हैं, जिसमें अब ब्यू वेबस्टर, सीन एबॉट और ब्रेंडन डॉगेट शामिल हैं, जिन्हें शील्ड मैचों के इस दौर में खेलने के लिए रिलीज किया गया है। यह दौर सोमवार को समाप्त हो रहा है, जिसका मतलब है कि इंगलिस 14 दिसंबर से ब्रिसबेन में भारत के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के प्रवक्ता ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो इंगलिस को टेस्ट टीम में वापस बुलाया जा सकता है।

विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में हिस्सा लेंगे तीन भारतीय भारोत्तोलक

एजेंसी, मनामा

तीन सदस्यीय भारतीय टीम (सभी महिलाएं) बहरीन के मनामा में शुरू होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। आज से 16 दिसंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में टोक्यो ओलंपिक 2020 की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एक्शन में नहीं दिखेंगी क्योंकि वह अपनी चोटों से लंबे समय तक पुनर्वास पर नजर रख रही हैं। उन्होंने आखिरी बार 2024 के पेरिस ओलंपिक में खेला था, जहां वह चौथे स्थान पर रहकर पदक से चूक गई थीं। मीराबाई कीअनुपस्थिति में, उभरती हुई ज्ञानेश्वरी यादव महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग में तिरंगे का प्रतिनिधित्व करेंगी। वह जूनियर विश्व चैंपियनशिप स्तर पर रजत पदक विजेता भी हैं और उन्होंने पिछले साल 49 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया था। वह चैंपियनशिप में अपने वर्ग के ग्रुप ए में एकमात्र भारतीय भारोत्तोलक हैं। दूसरी भारतीय कॉमनवेल्थ गेम्स की रजत पदक विजेता बिंदियारानी देवी हैं, जो महिलाओं के 55 किलोग्राम भार वर्ग के ग्रुप बी में खेल रही हैं, जो एक गैर-ओलंपिक भार वर्ग है। दूसरी ओर, डिटिमोनी सोनोवाल 64 किलोग्राम के ग्रुप सी में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जो एक गैर-ओलंपिक भार वर्ग भी है। इस बार इस प्रतियोगिता में भारत से कोई पुरुष प्रतियोगी नहीं होगा।

निशानेबाजी, हॉकी, भारोत्तोलन युवा ओलंपिक 2026 से बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की पदक संभावनाओं को बड़ा झटका देते हुए, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड ने सेनेगल के डकार में होने वाले 2026 युवा ओलंपिक खेलों की सूची से निशानेबाजी, भारोत्तोलन और हॉकी को हटा दिया है। निशानेबाजी, भारोत्तोलन और हॉकी को 10 गैर-पदक खेलों में शामिल किया गया है, जो युवा ओलंपिक में "संलग्नता कार्यक्रम" का हिस्सा होंगे। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में 2018 के युवा खेलों में, भारत ने 13 पदक (तीन स्वर्ण, नौ रजत और एक कांस्य) जीते थे, जिनमें से निशानेबाजी ने चार पदक (दो स्वर्ण और दो रजत) दिलाए थे, जबकि हॉकी के हिस्से में दो रजत और भारोत्तोलन का योगदान एक स्वर्ण था। पेरिस ओलंपिक की दोहरी पदक विजेता स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने लड़कियों की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण और मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल में रजत पदक जीता था। 3 दिसंबर को लुसाने में अपनी बैठक में, आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने 31 अक्टूबर से 13 नवंबर, 2026 तक आयोजित होने वाले 2026 युवा ओलंपिक खेलों (वाईओजी) के लिए प्रतियोगिताओं और एथलीट कोटा की पुष्टि की है। युवा ओलंपिक में 15 से 18 वर्ष की आयु के एथलीट भाग लेंगे। आईओसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, "... यह निर्णय लिया गया कि डकार 2026 में सभी 35 अंतरराष्ट्रीय महासंघों (आईएफ) की आधिकारिक भागीदारी को बनाए रखा जाएगा, जिसमें 25 खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम में शामिल होंगे और 10 खेल सहभागिता कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। डकार 2026 प्रतियोगिता कार्यक्रम में शामिल 25 खेलों में से प्रत्येक से एक अनुशासन का प्रदर्शन करेगा। इसके अतिरिक्त, डकार 2026 में एक सहभागिता कार्यक्रम होगा जिसमें 10 खेल दिखाए जाएंगे।"

चिंतन मनन

मन का क्रिय

एक प्रोफेसर अपने कमरे में बैठे थे। उनके पास एक व्यक्ति आकर बोला, धन्यवाद, आप जैसा परिश्रमी और योग्य प्रोफेसर मैंने नहीं देखा। आपके परिश्रम से ही मेरा लड़का उत्तीर्ण हो सका है। सौ-सौ साधुवाद! इतने में दूसरा व्यक्ति आकर बोला, आप जैसा परिश्रम से जी चुराने वाला प्रोफेसर मैंने कहीं नहीं देखा। आपके कारण ही मेरा लड़का अनुत्तीर्ण हुआ। पहले व्यक्ति की बात सुनकर प्रोफेसर प्रसन्नता से झूम उठा और दूसरे व्यक्ति की बात सुनकर वह विषण्ण हो गया। यह सारा खेल मन का है। एक घटना मन के अनुकूल थी तो प्रसन्नता का प्रवाह चल पड़ा। वहीं दूसरी घटना मन के प्रतिकूल थी तो विषण्णता का वातावरण बन गया। जब भोजन अच्छा बनता है तो पत्नी को उसके लिए सौ-सौ साधुवाद दिया जाता है। जब कभी भोजन स्वादिष्ट नहीं बनता या नहीं लगता तब परोसी हुई थाली को ठोकर भी मार दी जाती है। यह सारा मन का कार्य ही होता है। भोजन सिर्फ भोजन होता है। पदार्थ सिर्फ पदार्थ होता है। उसमें स्वादिष्ट या अस्वादिष्ट का आरोपण हम स्वयं करते हैं, हमारा मन करता है।

क्या घुड़की देना भी भूल गया भारत ?

` बात हिन्दू और मुसलमान की नहीं है ,मानवाधिकारों की है, जिनका खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन पड़ोसी देश बांग्लादेश में हो रहा है। संयोग ये है कि जो लोग बांग्लादेश की सत्ता के निशाने पर हैं वे हिन्दू हैं। बांग्लादेश के हिन्दू बांग्लादेश के हिन्दू हैं ,भारत के नहीं। वे वहां अल्पसंख्यक हैं और लगातार बहुसंख्यक समाज की ज्यादती के शिकार हो रहे हैं। हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों से भारत का बहुसंख्यक हिन्दू समाज विचलित है। बांग्लादेश की सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है किन्तु हिंदूवादी भारत की सरकार मौन है। सरकार लगता है अब हिन्दू राष्ट्र होने के मुगालते के बाद पड़ोसियों को घुड़की देना भी भूल गयी है। बांग्लादेश में आज हो रहे घटनाक्रम को देखकर मुझे 53 साल पहले की वे घटनाएं याद आ रहीं हैं जो बांग्लादेश बनने के पहले पाकिस्तान के बंगाल में हो रही थीं। उस दौर में भी तत्कालीन पाकिस्तानी सत्ता ने बंगालियों पर बर्बरता की तमाम हदें तोड़ दीं थीं। पीड़ितों का आर्तनाद सुनकर भारत की तत्कालीन सरकार ने उस समय जो कदम उठाये थे ,उनके बारे में आज की सरकार सोच भी नहीं सकती,क्योंकि तब भारत के पास एक फील्ड मार्शल मानेक शा थे,एक प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी थीं। आज न हमारे पास कोई फील्ड मार्शल है और न कोई इंदिरा। ये हकीकत है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर ज्यादती बांग्लादेश का आंतरिक मामला है लेकिन जब इस घटनाक्रम से भारत का जन मानस उद्वेलित है तो भारत की सरकार को कुछ तो सोचना चाहिए। मुझे लगता है कि जिस तरह से भारत ने अघोषित रूप से बांग्लादेश की निर्वासित प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में शरण दी हुई है उसी तरह उसे बांग्लादेशी हिन्दुओं पर ज्यादतियों को लेकर बांग्लादेश की मौजूदा अस्थाई सरकार पर दबाव डालकर हिंसा को रोकने के प्रयास करना चाहिए। जरूरी नहीं है कि इसके लिए बांग्लादेश पर हमला किया जाये ,लेकिन बांग्लादेश को घुड़की तो दी ही जा सकती है। भारत में चौतरफा धर्मध्वजाएं लेकर मार्च करने वाले मठाधीशों को भी इस मुद्दे पर सरकार पर दबाव डालना ही चाहिए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं के ऊपर जिस तरह का अत्याचार हो रहा है ,वो साफ तौर पर सत्ता पोषित है। ये सब करने की हिम्मत बांग्लादेश की सत्ता में कहाँ से आयी होगी इसका अनुमान लगाया जाना चाहिए। असहिष्णुता और नफरत की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती। हमारे यहां पिछले एक दशक से जिस तरह से सत्तापोषित नफरत फल-फूल रही है ठीक वैसे ही हालात बँगला देश में हैं ,और शायद इसी लिए भारत सरकार इस मामले में हस्तक्षेप करने का नैतिक बल खो चुकी है। हैरानी की बात ये है कि भारत की जो सरकार रूस और यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए दखल कर सकती है वो सरकार बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रही ज्यादतियों के मामले में दखल नहीं दे पा रही है। भारत के प्रधानमंत्री अफ्रीकी देशों की यात्रा कर चुके हैं लेकिन तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद बांग्लादेश जाने की जरूरत उन्होंने नहीं समझी। मुमकिन है कि उन्हें आशंका हो कि बांग्लादेश उनसे अपेक्षित सौजन्यता न दिखाए। बांग्लादेश में इस समय सत्ता की बागडोर जिन हाथों में है उन हाथों में शांति का नोबुल पुरस्कार भी आ चुका है ,फिर भी वे हाथ अपने यहां साम्प्रदायिक हिंसा को नहीं रोक पार रहे हैं। सम्प्रदायक हिंसा बांग्लादेश में हो या किसी और देश में आसानी से रोकी भी नहीं जा सकती। हमारे यहां मणिपुर में तो साम्प्रदायिक हिंसा को डेढ़ साल हो चुके हैं। जब हम मणिपुर को नहीं सम्हाल पा रहे तो कैसे अपेक्षा कर सकते हैं कि बांग्लादेश अपने यहां अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर होने वाली हिंसा को सम्हाल लेगा ? साल भर पहले तक बांग्लादेश भारत का प्रिय मित्र था। बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के समय उनके शपथ ग्रहण में शामिल होने दिल्ली भी आयीं थीं , उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी को बांग्लादेश आने का निमंत्रण भी दिया था ,लेकिन वे शेख हसीना के प्रधानमंत्री रहते बांग्लादेश जा नहीं पाये। अब तो बांग्लादेश जाने कि कोई सूरत भी नहीं है। बांग्लादेश में शेख हसीना का तख्ता पलट होने के बाद अंतरिम सरकार से भारत की बन नहीं पायी ,उलटे भारत-बांग्लादेश के संबंधों में कड़वाहट शुरू हुई और अब चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद दोनों देशों के बीच काफी तल्ख कूटनीतिक भाषा का इस्तेमाल हो रहा है। बीते दिनों बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के कानूनी सलाहकार आसिफ नजरुल तो कह चुके हैं की भारत को ये समझना होगा कि ये शेख हसीना का बांग्लादेश नहीं है। अब पता नहीं की भारत आसिफ नजरुल की बात समझा है या नहीं ? बावजूद इसके भारत सरकार ने शेख हसीना को बांग्लादेश कि मौजूदा सरकार के सुपुर्द नहीं किया है। रार की असली वजह शायद यही है। हमें याद रखना चाहिए कि भारत और बांग्लादेश चार हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबी सीमा साझा करते हैं और दोनों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्ते रहे हैं। बांग्लादेश की सीमा भारत और म्यांमार से लगती है लेकिन उसकी 94 फीसदी सीमा भारत से लगती है. इसलिए बांग्लादेश को इंडिया लॉक्ड देश कहा जाता है। इतना ही नहीं बीते कुछ सालों में बांग्लादेश, भारत के लिए एक बड़ा बाजार बनकर उभरा है. दक्षिण एशिया में बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है और भारत एशिया में बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है. वर्ष 2022-23 में बांग्लादेश भारत का पांचवां सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया. वित्त वर्ष 2022-23 में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 15.9 अरब डॉलर का था। अब भारत के सामने एक ही विकल्प है कि भारत बांग्लादेश को अपना भयावह स्वरूप दिखा। हड़काये ,पाबंदियां लगाए। अंतर्राष्ट्रीय दबाव बनाये ,अन्यथा बांग्लादेश भी पाकिस्तान के बाद भारत का एक स्थाई दुश्मन बन जायेगा। बांग्लादेश की मौजूदा सत्ता का झुकाव इस समय भारत के बजाय चीन की ओर है ? तय है कि बांग्लादेश इसी लिए भारत के दबाव में आ नहीं रहा है। भारत को बांग्लादेश के मौजूदा शासकों को अतीत की याद दिलाना चाहिए। यदि भारत की मौजूदा सरकार बांग्लादेशी हिन्दुओं की हिमायत करने में नाकाम रही तो आप तय मानिये की वो भारत के हिन्दुओं के दिलो दिमाग से भी उतर जाएगी। पहले से विदेश नीति के मोर्चे पर हिचकोले खा रहे भारत के लिए ये एक मौका है जब वो अपना वजूद प्रमाणित कर सकता है।

अमेरिका में होने वाले सत्ता परिवर्तन का भारत पर सम्भावित असर

दिनांक 20 जनवरी 2025 को अमेरिका में श्री डॉनल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति के रूप में दूसरी बार कार्यभार सम्हालने जा रहे हैं। ट्रम्प प्रशासन ने अपने पहिले कार्यकाल में अमेरिका के रिश्तों को भारत के साथ मजबूत करने का प्रयास किया था। परंतु, नवम्बर 2024 में सम्पन्न हुए अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान श्री ट्रम्प लगातार यह आभास देते रहे हैं कि वे अमेरिका को एक बार पुनः विनिर्माण इकाईयों का हब बनाने का प्रयास करेंगे और इसके लिए अन्य देशों विशेष रूप से चीन से आने वाले सस्ते उत्पादों पर 60 प्रतिशत तक का आयात शुल्क लगा सकते हैं, जिससे चीन से आयातित उत्पाद अमेरिका में महंगे हों जाएंगे एवं विनिर्माण इकाईयां अमेरिका में ही इन वस्तुओं का उत्पादन प्रारम्भ करेंगी। दूसरे, अमेरिका में आज भारी मात्रा में अन्य देशों से अप्रवासी नागरिक गैर कानूनी रूप से रह रहे हैं, विशेष रूप से अमेरिका के पड़ौसी देश मैक्सिको के नागरिक आसानी से सीमा पार कर अमेरिका में पहुंच जाते हैं, अतः गैर कानूनी रूप से अमेरिका में रह रहे नागरिकों को अमेरिका से बाहर भेजेंगे। उक्त दो विषयों को श्री ट्रम्प ने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान जोर शोर से उठाया था। अमेरिका को एक बार पुनः महान बनाने की बात भी जोर शोर से कही गई थी। यदि ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में आयात कर को बढ़ा देता हैं तो इसका प्रभाव भारत से अमेरिका को निर्यात होने वाले उत्पादों पर भी पड़े बिना नहीं रह सकेगा। हालांकि अमेरिका में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना करना इतना आसान भी नहीं है क्योंकि अमेरिका में श्रम की लागत बहुत अधिक है। अमेरिका में निर्मित उत्पादों की लागत तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक रहने वाली है, इसके कारण एवं अमेरिका में आयातित उत्पादों पर आयात शुल्क के बढ़ाने से अमेरिका में मुद्रा स्फीति की समस्या भी पुनः खड़ी हो सकती है। दूसरे, अमेरिका यदि आयात को प्रतिबंधित करता है तो अमेरिकी डॉलर की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में और अधिक मजबूत होगी एवं अन्य देशों की मुद्राओं की बाजार कीमत गिरेगी जिससे इन देशों में उत्पादित वस्तुओं के निर्यात और अधिक आकर्षक होने लगेंगे। बल्कि इससे तो भारत से टेक्स्टायल, लेदर, विनिर्माण एवं कृषि क्षेत्र से उत्पादों के निर्यात अमेरिका को बढ़ेंगे। अमेरिका से निर्यात कम होने लगेंगे क्योंकि अन्य देशों को अमेरिका से आयातित वस्तुओं के एवज में महंगे डॉलर का भुगतान करना होगा। परंतु, ट्रम्प प्रशासन ने तो आगे आने वाले समय का आभास अभी से देना शुरू पर दिया है और मेक्सिको और कनाडा से आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत का आयात शुल्क एवं चीन से आयातित वस्तुओं पर 10 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की घोषणा कर दी है। हालांकि अभी भारत से आयातित वस्तुओं पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की घोषणा अभी नहीं की गई है। यदि ट्रम्प प्रशासन आगे आने वाले समय में चीन से आयातित उत्पादों पर इतना भारी भरकम आयात शुल्क लागू करता है तो इससे भारतीय उत्पादों के लिए अमेरिका में जगह बन सकती है और विशेष रूप से ऑटो पार्ट्स, सौर ऊर्जा उपकरण एवं रासायनिक उत्पादन जैसे क्षेत्रों में भारतीय विनिर्माण इकाईयां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकती हैं। इसी प्रकार, यदि अमेरिकी प्रशासन द्वारा चीन से आयातित वस्तुओं पर भारी मात्रा में आयात शुल्क लगाया जाता है तो चीन के निर्यात कम होंगे और इससे चीन में आर्थिक वृद्धि दर कम होगी और ऊर्जा उत्पादों (कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, गैस, आदि) की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कम होगी, जिससे कच्चे तेल की कीमतें भी कम होंगी, इसका सीधा सीधा लाभ भारत को हो सकता है, क्योंकि

भारत विश्व में कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक देश है। साथ ही, श्री ट्रम्प ने अमेरिका में भी कच्चे तेल के उत्पादन को आगे आने वाले समय में बढ़ाने की घोषणा की है और तुलनात्मक रूप से कुछ सस्ते दामों पर कच्चे तेल का निर्यात भारत को किया जा सकता है। विनिर्माण एवं सुरक्षा (डिफेन्स) के क्षेत्र में भी भारतीय कम्पनियों को लाभ हो सकता है। ट्रम्प प्रशासन ने ट्रम्प के प्रथम कार्यकाल में भारत के साथ कई बड़े रक्षा सौदे सम्पन्न किए थे। अमेरिकी सैन्य क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने के लिए, अमेरिका भारत से सुरक्षा क्षेत्र के उत्पादों का आयात आगे आने वाले समय में बढ़ा सकता है। यदि ट्रम्प प्रसाशन आयात करों में अतुलनीय वृद्धि करता है तो इससे अमेरिका में मुद्रा स्फीति की समस्या एक बार पुनः खड़ी हो सकती है जिससे सम्भव है कि बढ़ी हुई मंहगाई को नियंत्रित करने के लिए फेडरल रिजर्व एक बार पुनः फेड रेट (ब्याज दरों) में वृद्धि करे। जिसका असर विश्व की अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़ेगा। अमेरिका का वित्तीय बजट घाटा भारी मात्रा में ऋणात्मक है एवं अमेरिका के ऊपर 36 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण देयताएं हैं। अतः अमेरिकी प्रशासन का सोचना है कि प्रतिवर्ष 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के खर्च को कम करने हेतु प्रयास करने होंगे। यदि यह वास्तव में होता है तो अमेरिका में सरकारी कर्मचारियों की बड़ी संख्या में कमी की जा सकती है। अमेरिकी सरकार के खर्चे यदि कम होते हैं तो इससे देश के आर्थिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। टैक्स कटौती एवं राजकोषीय उपायों के चलते अमेरिकी डॉलर मजबूत हो सकता है एवं इससे अमेरिकी बांड यील्ड बढ़ सकती हैं। भारत पर भी इसका प्रभाव पड़ेगा। रुपया अमेरिकी डॉलर की तुलना में कमजोर होगा और भारत में आयात किए जाने वाले उत्पादों विशेष रूप से कच्चे तेल की लागत बढ़ जाएगी और इससे अंततः भारत में भी महंगाई बढ़ सकती है। ट्रम्प प्रशासन ने अपने पहिले कार्यकाल में भी भारत के खिलाफ कुछ आर्थिक कदम उठाए थे जैसे भारत को जनरलाइज्ड सिस्टम आफ प्रेफ्रेन्सेज (जीएसपी) से हटा दिया था। लेकिन अंततोगत्वा भारत पर इसका कोई विपरीत प्रभाव नहीं हुआ था। वर्ष 2018 में अमेरिका ने स्टील पर 25 प्रतिशत, अल्यूमिनियम पर 10 प्रतिशत, वशिंग मशीन पर 35 प्रतिशत का उत्पाद शुल्क लगाया था परंतु वर्ष 2019 से वर्ष 2021 के बीच अमेरिका को भारत का स्टील निर्यात 44 प्रतिशत बढ़ गया था। इसी प्रकार, फूटवीयर, मिनरल्स, रसायन, इलेक्ट्रिकल व मशीनरी जैसे उत्पादों का निर्यात भी भारत से अमेरिका को बढ़ा है, इससे सिद्ध होता है कि भारत कई उत्पादों के मामले में चीन के मुकाबले वैश्विक सप्लाई चैन में होने वाले बदलाव का अधिक लाभ उठाने की स्थिति में हैं। फिर भी, भारत को अपने विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार करना होगा। भारत को नए निर्यात बाजार को तलाशना होगा एवं आयात कम करने के लिया आत्म निर्भरता प्राप्त करने की ओर और अधिक मजबूती से आगे बढ़ना होगा। ट्रम्प प्रशासन यदि चीन के विरुद्ध कारोबारी युद्ध को प्रारम्भ करते है, जिसकी कि प्रबल सम्भावना दिखाई देती है, तो इसका लाभ भारत को मिल सकता है। फार्मा, टेक्स्टाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में सप्लाई चैन में होने बदलावों के देखते हुए, भारत लाभ की स्थिति में रह सकता है। श्री ट्रम्प, अमेरिका में आय कर एवं कारपोरेट कर में कमी की घोषणा भी कर सकते हैं। इससे अमेरिका के नागरिकों के हाथों में अधिक पैसा आएगा एवं कारपोरेट जगत के लाभ में वृद्धि होगी जिससे अंततः उत्पादों की मांग में वृद्धि होगी। ट्रम्प प्रशासन की व्यापार अनुकूल नीतियों के चलते अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी आ सकती है। श्री ट्रम्प ने रूस - यूक्रेन युद्ध एवं हम्मास, लेबनान - इजराईल के बीच युद्ध को समाप्त करने के लिए भी प्रयास किए जाने के बारे मंष कहा है। यदि ऐसा होता है तो वैश्विक स्तर पर सप्लाई चैन में सुधार हो सकता है एवं भारत को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मदद मिल सकती है। लेबनान - इजराईल के बीच तो युद्ध विराम की घोषणा हो भी चुकी है। ट्रम्प प्रशासन के प्रथम कार्यकाल में अमेरिका में वीजा के नियमों को कठिन बना दिया गया था। यदि अपने दूसरे कार्यकाल में भी एच-1बी वीजा के नियमों को कड़ा किया जाता है तो इसका सबसे अधिक प्रभाव भारतीय मूल के नागरिकों पर पड़ेगा। क्योंकि, अमेरिका में प्रतिवर्ष लगभग 85,000 एच-1बी वीजा जारी किए जाते हैं एवं इसमें से लगभग 60,000 वीजा भारतीय मूल के नागरिकों को जारी होते हैं। भारतीय मूल के नागरिकों पर वीजा सम्बंधी नियमों के कड़े किए जाने का प्रभाव सबसे अधिक हो सकता है। इससे भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कम्पनियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। भारत की तुलना में अमेरिका के पास 3.5 गुणा अधिक जमीन है, जबकि जनसंख्या, भारत की तुलना में एक चौथाई ही है। अमेरिका के पास 95,000 किलोमीटर लम्बी समुद्री तट रेखा उपलब्ध है, अमेरिका के पास पूरे विश्व का 45 प्रतिशत पानी उपलब्ध है, पूरे विश्व के कोयला भंडारण का 22 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका के पास है, पूरे विश्व की जमीन का 6 प्रतिशत भाग अमेरिका में है, पूरे विश्व की कृषि योग्य भूमि का 10 प्रतिशत भाग अमेरिका के पास है जबकि विश्व की केवल 4 प्रतिशत जनसंख्या ही अमेरिका में निवास करती है। अमेरिका के पास 25,600 करोड़ बैरल कच्चे तेल के भंडार हैं जो सऊदी अरब में कच्चे तेल के कुल भंडारण से भी 20 प्रतिशत अधिक है। अब ट्रम्प प्रशासन कच्चे तेल के इस भंडार में से अधिक मात्रा में कच्चा तेल निकालकर उपयोग करना शुरू करेगा। वर्ष 2018 तक अमेरिका कच्चे तेल का आयात ही करता रहा है जबकि इसके बाद से अमेरिका कच्चे तेल का निर्यात भी करने लगा है। इसके चलते ही अमेरिका को पूरे विश्व में विशेष राष्ट्र का दर्जा प्राप्त है। ट्रम्प प्रशासन भारत को अपना स्ट्रेटेजिक भागीदार मानता रहा है। अमेरिका से विशेष दोस्ती होने के चलते आगे आने वाले समय में भारत को विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में विशेष लाभ होने की सम्भावना दिखाई देती है।

कहो तो कह दूं - यानी जब मंत्री जी कहेंगे, तभी अफसर सड़कों पर उतरेंगे

प्रदेश की संस्कारधानी कहे जाने वाले शहर जबलपुर में अतिक्रमण से लोग हाय-हाय कर रहे हैं, शहर में ट्रैफिक पुलिस का एक सिपाही नजर नहीं आता, नजर आता भी है तो सिर्फ हेलमेट चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली के लिए, बड़े-बड़े अफसर तैनात हैं ट्रैफिक डिपार्टमेंट में, अतिक्रमण हटाने नगर निगम में भारी भरकम अमला है। अखबार वाले रोज आठ आठ कॉलम में खबरें छाप रहे हैं कि लोगों को चलने में परेशानी हो रही है, चौतरफा अतिक्रमण फैला हुआ है लेकिन अफसरों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही थी लेकिन अपने पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर राकेश सिंह ने जब शहर के तमाम आला अफसरों को बुलाकर बत्ती दी तो बत्ती पड़ने के दो घंटे बाद ही जिले के एसपी साहब जो सिर्फ बैठक बैठक खेलते हैं उन्हें सड़क पर उतरना पड़ गया। देखते ही देखते तमाम अफसर, नगर निगम का बुलडोजर, तहसीलदार, कलेक्टर, एसपी अतिक्रमण हटाने में जुट गए, यानी अब ये तय हो गया है कि जब मंत्री जी कहेंगे तभी अफसर अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे वरना अपने चेंबर में ठाठ से बैठकर मजे लेते रहेंगे मंत्री जी ने दम तो दी ही साथ ही ये भी कह दिया कि जो कानून का उल्लंघन करें उस पर तो कार्यवाही करें लेकिन बेवजह हेलमेट चेकिंग के नाम पर जो कुछ ट्रैफिक पुलिस कर रही है वो ठीक बात नहीं है। आप ही बताओ इन पुलिस वालों की तो रोजी-रोटी पर ही संकट आ गया ,काम धाम कुछ करना नहीं है चौराहे पर खड़े हो जाओ जितने स्कूटर वाले निकलें उन सब को रोको, अवैध वसूली करो शाम को जेब में पैसा लेकर घर निकल जाओ ।अरे भैया शहर में जगह-जगह अतिक्रमण है आदमी एक-एक इंच करके खिसक रहा है स्थिति ये है कि हेलमेट एक दूसरे से टकरा रहे हैं ऐसी स्थिति में आदमी हेलमेट संभाले या स्कूटर । ये सही है कि हेलमेट से जान बच सकती है लेकिन कई बार किसी कारणवश अगर वाहन चालक हेलमेट नहीं लगा पाता है तो इनकी तो चांदी हो जाती है ।मंत्री जी ने शहर के तमाम नेताओं को भी बुला लिया और उनके सामने अफसरों से कह दिया कि कोई भी इस काम में रोड़ा अटकाए उसकी आप एक ना सुनना अब जब मंत्री जी ने कह दिया है तो शहर के दूसरे नेताओं की क्या हैसियत है कि वे इस मामले में टांग मार सकें ।अपनी तो एक ही मांग है कि सत्ताधारी दल के तमाम नेताओं को शहर भर में अपने-अपने फोटो के साथ होर्डिंग्स लगाना चाहिए जिसमें यह

साफ-साफ लिखा हो मैं अमुक नेता ईश्वर की शपथ लेता हूं कि अतिक्रमण हटाने के मामले में मैं कोई हस्तक्षेप नहीं करूंगा क्योंकि इन नेताओं के इशारे पर ही अतिक्रमण करता छाती ठोक कर शहर की सड़कों को लील रहे हैं। अपने को तो ये भी लगता है कि जबलपुर वाले अब इन सब चीजों के आदी हो चुके हैं उन्हें ना तो अतिक्रमण से कोई फर्क पड़ता है, ना जाम से, ना ट्रैफिक पुलिस के नदारत रहने से, उन्होंने इसे अपनी नियति मान लिया है और वैसे भी जब कई वर्षों से यह सब पूरा धंधा चल ही रहा है तो वे भी इसके आदी हो गए हैं ना कहो अब कोई चौड़ी सड़क उन्हें दिख जाए बिना अतिक्रमण की तो वो घबरा जाएं। बहरहाल मंत्री जी की कोशिश को साधुवाद उन्हें लेकिन अब यह भी देखना पड़ेगा कि उनकी सदिच्छा पर कोई पलीता ना लगा सके। हंसना गुनाह हो गया माना जाता है कि ब्रह्मांड में चौरासी लाख योनिया हैं लेकिन केवल उसमें मनुष्य ही ऐसा है जो हंस और मुस्कुरा सकता है।वैज्ञानिक कहते है कि हंसने-मुस्कान से ही न केवल इम्युनिटी बढ़ती है बल्कि शरीर के सभी हिस्सों खासकर हृदय, मस्तिष्क, एंडोक्राइन सिस्टम, मांसपेशियों, हड्डी में नए सेल्स बनते हैं। जो न केवल अधिक उम्र की ओर ले जाते हैं बल्कि अधिक उम्र में जवां बनाए रखने में मदद करते हैं। यह तनाव को कम करने का सबसे अच्छा माध्यम है वैज्ञानिकों ने भी बताया है कि शरीर में चार हार्मोन्स होते हैं सिरोटोनिन, एंडोर्फिन, ऑक्सीटोसिन और डोपामाइन। इन्हें हैप्पी हार्मोन कहते हैं। इनकी शरीर में कमी होने से मानसिक सेहत पर असर पड़ता है इसलिए खूब हंसना चाहिए लेकिन छतरपुर जिला पंचायत के नोडल अधिकारी को हंसना उनके लिए गुनाह हो गया। बैठक में जब ये भाईसाहब हंसे तो कलेक्टर साहेब को गुस्सा आ गया, आव देखा ना ताव नोटिस थमा दिया कि आप हंसे क्यों? इसका जवाब दें अब वे बेचारे नोडल अधिकारी उस लम्हे को कोस रहे हैं जिस लम्हे पर वे हंसे थे। अपनी तो अब हर अधिकारी को एक ही सलाह है कि जब भी कलेक्टर साहेब मीटिंग लें हर कर्मचारी और उनसे नीचे का अफसर रोनी सूरत बना ले, चेहरे पर ऐसे भाव ले आएं मानो उसकी दुनिया ही उजड़ गई हो ,लाख हंसी की बात हो मजाल कि चेहरे पर मुस्कुराहट आए या फिर दांत बाहर निकलें वैज्ञानिकों को भी अब नई खोज इस बात की करना पड़ेगी कि हंसने से कौन कौन से नुकसान हो सकते हैं। इसी बहाने पुण्य मिल गया अपने ही प्रदेश के एक शहर में राम कथा के दौरान जब प्रसाद वितरण होता था तो महिलाओं की चैन स्नेचिंग की घटनाएं बढ़ रही थी पुलिस के लिए बड़ा चुनौती वाला काम था कि आखिर इन चैन स्नेचिंग करने वालों को कैसे पकड़ा जाए काफी सोच विचार के बाद ये तय किया गया कि पुलिस सादे वेश में राम कथा में जाए और खुफिया निगाहें से देखें कि जब प्रसाद वितरण होता है तो कौन चैन खींचता है। कई पुलिस वाले राम कथा में पहुंच गए सादे कपड़ों में और चार दिन तक लगातार कथा सुनते रहे और इस दौरान उन्होंने चेन स्नेचिंग करने वाली महिलाओं के ग्रुप को आखिर पकड़ ही लिया। इन चार दिनों में राम कथा का जो पुण्य उनको मिला उसके लिए उनको उन चैन स्नेचर महिलाओं का धन्यवाद अदा करना चाहिए वरना पुलिस वालों के भाग्य में कथा सुनना कहां लिखा था ,वे तो बेचारे अपराध रोकने, बड़े-बड़े अफसरों को सलामी देने, सड़कों पर बैठकर चालान काटने के अलावा उनकी किस्मत में और कुछ तो था नहीं लेकिन इस चैन स्नेचर महिलाओं के गैंग ने उन्हें पुण्य लूटने का अवसर इन पुलिस कर्मियों को दे दिया ।अपना तो मानना ये है कि भले ही वे चेन स्नेचिंग कर रही है लेकिन इसी बहाने उन्होंने इन पुलिस कर्मियों का तो भला कर दिया कि कम से कम चार दिन तक उनको भगवान श्री राम की कथा का श्रवण करने का मौका मिल गया ।

सांस्कृतिक पहचान को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आर्थिक विरासत को कुचलने की चेष्टाएं अतीत से लेकर वर्तमान तक होती रही है। बहुत बड़ा सच है कि अगर किसी देश को नष्ट करना है तो उसकी सांस्कृतिक पहचान को खत्म कर दो। देश अपने आप नष्ट हो जाएगा। भारत पर हमला करने वाले विदेशी आक्रांताओं ने यही किया। इस्लामी आक्रांताओं ने न सिर्फ धन-संपदा लूटी बल्कि भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिरों और धार्मिक स्थलों को तोड़ कर मस्जिदें बना दीं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के शत्रु एवं तथाकथित धर्म-निरपेक्षता की राजनीति करने वाले नेता इस बात को अधिक बेहतर समझते हैं, अतः उन्होंने इतिहास को झुठलाने, धुंधलाने और काल्पनिक बातें गढ़ने एवं फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया। हमारे नेताओं-नीतिकारों की नासमझी के कारण ही इसमें वे सफल भी रहे हैं। क्या यह स्थिति बदल रही है? देश में कुछ लोग सही इतिहास को उजागर करने एवं ऐतिहासिक विरासत को धुंधलाने एवं कुचलने की कुचेष्टाओं का परिमार्जन करने के लिये तत्पर हुए है, इसी का परिणाम है कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद आज सनातन संस्कृति का पुनरुद्धार हो रहा है। अयोध्या, काशी, मथुरा के बाद संभल और अजमेर दरगाह जैसे मामलों में साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीकों को हासिल करने के प्रयास हो रहे हैं। ऐसे प्रयासों के द्वारा अशांति फैलाने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि इतिहास बड़ी भूलों को सुधारना एवं वास्तविक तथ्यों को सामने लाना है। लेकिन, इसमें एक बड़ी बाधा है पूजा स्थल अधिनियम, 1991, जो देश में आजादी से पहले से मौजूद धार्मिक स्थलों जुड़े तथ्यों की खोजबीन की भी अनुमति नहीं देता है? क्या इसके चलते देश में आक्रांतवादी सोच एवं देश की विरासत को धुंधलाने की कोशिश पर पर्दा ही पड़ा रहेगा? ऐतिहासिक अन्याय, अत्याचार एवं राष्ट्र-विरोधी सोच एवं सच्चाई तो सामने आनी ही चाहिए। इस देश में उन विघटनकारी एवं संस्कृति-विरोधी लोगों की मर्जी कब तक चलती रहेगी? कब तक बात-बेबात हंगामा होता रहेगा? कब तक सांस्कृतिक पहचान को बेमानी साबित करने के षडयंत्र होते रहेंगे? ,इस सच से इंकार नहीं किया जा सकता कि इतिहास से न केवल छेडछाड़ हुई है बल्कि समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास को निस्तेज भी किया गया है। इसी बात को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उजागर करते हुए कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। अतीत में यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह भी कह चुके हैं, यह बात पूर्व में भी बार-बार अनेक नेताओं ने कही है, लेकिन इतिहास को सही रूप में पेश करने का काम नहीं हो पा रहा है और वह भी तब, जब सभी इससे परिचित हैं कि सच्चे इतिहास की जानकारी के अभाव में लोगों के बीच नासमझी की खाई चोड़ी ही होती है, झूठे इतिहास को ही लोग सच मानने से उनकी अपनी परम्परा एवं इतिहास के प्रति आस्था की बजाय घृणा बढ़ती है। अपनी

इतिहास एवं संस्कृति की विलक्षण एवं विशेषताओं से दूरी बनाकर झूठे इतिहास के कसीदें पढ़ने से राष्ट्र के प्रति गौरव का भाव क्षीण होता है। ऐसी स्थितियों में राष्ट्रीय एकता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के गौरवपूर्ण क्षण कैसे सामने आ सकते हैं। झूठे इतिहास के कारण लोग संगठित कैसे हो सकते हैं? उनके स्वर विपरीत ही होते हैं, जिससे एक-दूसरे से जुड़ना तो दूर आपसी द्वेष, नफरत एवं द्वंद्व की स्थितियां ही राष्ट्र पर हावी होती है। सही इतिहास जानने की इस महत्ता से हमारे नीति-निमार्ता अनभिज्ञ रहे हैं। अन्यथा इस विषय पर यहां इतनी दलबंदी न होती। हमें एक असहिष्णु, उन्मादी एवं कट्टर-वादी समाज बनने के रास्ते पर ही नहीं, बल्कि भीतर से ज्यादा से ज्यादा विभाजित एवं कमजोर समाज बनने के रास्ते पर धकेला जा रहा है। इस तरह की स्थितियां एवं मुहिमें देश की एकता एवं अखण्डता पर आघात करती है। भारतीयों ने गणित व खगोल विज्ञान पर प्रामाणिक व आधारभूत खोज की। शून्य का आविष्कार, पाई का शुद्धतम मान, सौरमंडल पर सटीक विवरण आदि का आधार भारत में ही तैयार हुआ। वसुधैव कुटुम्बकम का विचार इसी देश ने किया। अहिंसा यहां की जीवनशैली का सौन्दर्य रहा है, विविधता में एकता को हमने जीकर दिखाया है, लेकिन हमारी उदारता को आक्रांताओं एवं विभाजनकारी ताकतों ने हमारी कमजोरी मान लिया है। यही कारण है कि तात्कालिक एवं अतीत की कुछ नकारात्मक घटनाओं व प्रभावों ने जो धुंध हमारी सांस्कृतिक जीवन-शैली पर आरोपित की है, उसे सावधानी पूर्वक हटाना होगा। आज आवश्यकता है कि हम अतीत की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजें और सवारें तथा उसकी मजबूत आधारशिला पर खडे.होकर नए मूल्यों व नई संस्कृति को निर्मित एवं विकसित करें। ऐसा करके ही हम नया भारत-सशक्त भारत निर्मित कर पायेंगे। समृद्ध संस्कृति भारत की एक विरासत है। इसमें धर्म, अध्यात्मवाद, ललित कलाएं, ज्ञान विज्ञान की विविध विधाएं, नीति, दर्शन, विधि, विधान, जीवन प्रणालियां और वे समस्त क्रियाएं और कार्य हैं जो उसे महान बनाती है। समय-समय पर इसका विविध संस्कृतियों के साथ संघर्ष, मिलन, परिवर्तन, परिवर्धन और आदान-प्रदान हुआ है। भारतीयों की अनेक भावनाओं पर शताब्दियों से समय-समय पर आती रहने वाली विविध जातियों ने बहुत पहले से ही अपना न्यूनाधिक प्रभाव डाल रखा था। परंतु इस्लाम के आ जाने पर भारतीय संस्कृति में एक हलचल सी मच गयी, सांस्कृतिक विरासत को ध्वस्त करने के सलक्ष्य प्रयत्न हुए, कला, धार्मिकता, शिल्प के मन्दिरों को ध्वस्त करके मस्जिदों का निर्माण कराया गया। लेकिन इन ऐतिहासिक भूलों को सुधारने का अवकाश तो हमेशा से रहा है सर्वोच्च न्यायालय ने संभल मस्जिद मामले में 29 नवंबर 2024 को स्थानीय अदालत की कार्यवाही पर अस्थायी रोक लगा दी। इस मामले में विपक्षी दल विशेषतः कांग्रेस एवं समाजवादी पार्टी उत्तरप्रदेश सरकार को जबरन घसीट रही है, जबकि सर्वोच्च अदालत शांति बनाये रखने के लिये मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय को सुनवाई करने का निर्देश दिया है। 24 नवंबर को अदालती निर्देश पर हुए सर्वे के दौरान खूनी हिंसा, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी, उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया, उसका मर्म यह है कि मामले में फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या सच है या फिर कौन समुदाय कितना उपद्रव करता है और वह शासन-व्यवस्था के लिए कितनी बड़ी चुनौती बन सकता है। अर्थात चाहे ह्यअन्यायह्ल कितना भी बड़ा हो, अदालत ह्यन्यायह्ल से अधिक ह्यशांति-सद्भावनाह्ल को वरीयता देगी। देरसबेर न्याय होता हुआ देखा भी गया है, अयोध्या में बना श्रीराम मन्दिर इस का उदाहरण है। आक्रांताओं द्वारा नष्ट किए गए धार्मिक स्थल सिर्फ धार्मिक प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे भारत की सभ्यता एवं संस्कृति की ऊंच रोशनी की मीनारें है। कांग्रेस ने इनके दमन का ही सिलसिला जारी रखा। इस तरह इतिहास का मिथ्याकरण और देश की नई पीढ़ी को उनके पूर्वजों के वास्तविक अनुभवों को जानने से वंचित रखना हर हाल में गलत है, त्रासद है, विडम्बनापूर्ण है। कठोर वास्तविकताएं एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भारत का यथार्थ है तो अप्रिय प्रवृत्तियां, विभाजनकारी सोच एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का विध्वंस भी बड़ा यथार्थ है। मुगल शासक हो या अंग्रेजी शासक या आजादी के बाद की सरकारें -राजनीतिक उद्देश्यों एवं वोट की राजनीति के चलते मुस्लिम तुष्टीकरण को अपनाया।

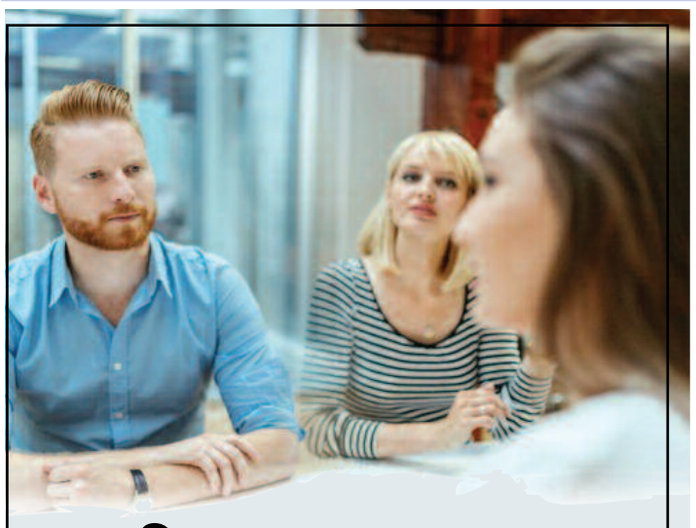

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडिया अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

विक्रांत मैसी ने रिटायरमेंट से लिया यू-टर्न

विक्रांत मैसी ने बीते दिन अपने सोशल मीडिया पोस्ट से प्रशंसकों को सकते में डाल दिया। अभिनेता ने एलान किया कि वह फिल्मों से ब्रेक ले रहे हैं। लोगों ने इसे विक्रांत का रिटायरमेंट मान लिया और तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे। अपने प्रशंसकों को सकते में डालने के ठीक एक दिन बाद, अभिनेता विक्रांत मैसी ने इस व्यापक धारणा को स्पष्ट करने के लिए कदम आगे बढ़ाया है कि वह अभिनय की दुनिया से संन्यास नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके बयान का कई लोगों ने गलत मतलब निकाला है।

उनके मुताबिक, उनका इरादा रिटायरमेंट लेना नहीं था बल्कि इंडस्ट्री से कुछ समय के लिए ब्रेक लेना था। एक लेटेस्ट इंटरव्यू में विक्रांत ने सोमवार को वायरल हुए रिटायरमेंट पोस्ट पर अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने साझा किया है कि उनका अभिनय की दुनिया से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है।

ब्रेक पर जा रहे अभिनेता

विक्रांत मैसी ने साफ किया, मैं रिटायर नहीं हो रहा हूं। बस थक गया हूं। एक लंबे ब्रेक की जरूरत है। विक्रांत ने कहा, घर की याद आ रही है और स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। लोगों ने सोशल मीडिया पोस्ट का गलत मतलब निकाला।

बीते दिन बने फिल्म स्क्रीनिंग का हिस्सा

इस बीच, विक्रांत ने सोमवार शाम संसद के बालयोगी ऑडिटोरियम में अपनी नवीनतम फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की स्क्रीनिंग में भाग लिया। यह उनके इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी। स्क्रीनिंग के दौरान उन्होंने फिल्म के बारे में बात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सांसदों के साथ फिल्म देखने को लेकर चर्चा की। हालांकि, उन्होंने फिल्में छोड़ने के बारे में पूछे गए सवालों को टाल दिया।

विक्रांत ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर 2025 के बाद अभिनय से ब्रेक लेने की घोषणा की। उन्होंने लिखा, पिछले कुछ साल और उससे पहले का समय अद्भुत रहा है। मैं आप सभी का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझे हमेशा समर्थन दिया, लेकिन जैसे ही मैं आगे बढ़ा तो मुझे यह एहसास हुआ कि एक पति, पिता, बेटे और एक अभिनेता के रूप में भी अब खुद को पुनः संरेखित करने और घर लौटने का समय आ गया है।

'फेडी' के दो साल पूरे होने पर कार्तिक ने लिखा नोट, पार्ट 2 की ओर किया इशारा!

कार्तिक आर्यन ने उनकी फिल्म फेडी के दो साल पूरे होने पर एक शानदार नोट लिखा। अभिनेता फिल्म से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने फिल्म का ही एक डायलॉग लिखा, एक जो सुनाऊ- आई स्टिल लव यू। इसके बाद उन्होंने कैप्शन में लिखा, फेडी के दो साल, और इस ट्विस्टेड लवर बॉय को जीने की खुशी अभी भी पहले की तरह ही रोमांचक लगती है! फेडी में तब्दील होना कोई छोटी उपलब्धि नहीं थी। अभिनेता आगे लिखा, अपने डॉ. फेडी पर इतना प्यार बरसाने के लिए आपका धन्यवाद। यह यात्रा अविस्मरणीय रही है, और कौन जानता है... शायद अभी भी सबसे अच्छा आना बाकी है! उनके इस नोट से यह संकेत भी मिलता है कि फिल्म का दूसरा भाग आ सकता है।

चेकमेट की शूटिंग के दौरान बहुत दर्द में थी, फिर भी रनिंग सीक्वेंस पूरा किया

हाल ही में क्राइम थ्रिलर शो चेकमेट हंगामा पर स्ट्रीम हुआ है। इसमें नीलम का मुख्य किरदार नायरा एम. बनर्जी ने निभाया। नायरा इन दिनों इसे लेकर चर्चा में हैं। उनसे हुई खास बातचीत....

चेकमेट में निभाए किरदार नीलम के बारे में कुछ बताइए?

चेकमेट बहुत ही अलग किस्म का शो है, जहां पर एक लेडी की इमोशनल मेंटल जर्नी दिखाई देती है। हर इंसान अपनी लाइफ में पास्ट को भुलाकर नई जर्नी शुरू करना चाहता है। मेरे किरदार का नाम नीलम है। नीलम बहुत ही बुटल रही है। उसका पास्ट बहुत ही डरावना और अलग रहा है, जिसकी वजह से उसने कोशिश की कि अपनी लाइफ को पूरी तरह से सुधारे और चेंज करे। वह अपने पति के खाने-पीने और फैमिली का खयाल रखती है।

नीलम के किरदार को जीवंत करना किस तरह से चुनौतीपूर्ण रहा?

मुझे पहले से पता है कि जितना चैलेंज हो, उतना मेरे लिए अच्छा है। काम जितना चैलेंज होता है, उतना ही बेस्ट निकलकर आता है। मुझे पता था कि यह मेरे पास आ रहा है, तब मेरे अंदर से टिगर कर करके सारी चीजें बाहर निकालेगा। मैं हमेशा डिफिकल्ट चीजें ही चूज करती हूं, यह मेरी आदत में शुमार है। इस आदत को नहीं बदलना चाहती।

आप एक सीन में फूट-फूट कर रो रही हैं। वह रेफरेंस पॉइंट कहां से लाई?

वह रेफरेंस पॉइंट अपने पापा की डेथ से निकाला था। उस वक्त बहुत फूट-फूट कर रोई थी। उस वक्त क्या फील हुआ था। पापा के जाने पर ऐसा फील हुआ था कि मेरी सारी दुनिया खत्म हो गई। यही बात चेकमेट के सीन में भी है कि मेरा पति मुझे मारना चाहता है। मैं खुद को नहीं जानती। खैर, यह रेफरेंस अपनी रियल लाइफ से लिया था, क्योंकि उस समय लगा था कि अब क्या करूं, अब अकेली हूं।

अपकमिंग प्रोजेक्ट के बारे में बताइए कि कौन-से आने वाले हैं?

एक बहुत पॉपुलर सीरीज का सीजन 2 आ रहा है। इसमें फेमस एक्टर की वाइफ का रोल प्ले कर रही हूं। यह सीरीज जनवरी एक आखिरी सप्ताह में स्ट्रीम होगी।

चेकमेट की शूटिंग के दौरान का कोई रोचक वाकया बताइए?

चेकमेट की शूटिंग के दौरान मैं बहुत दर्द में थी। मैं अपना एग फीजिंग करवा रही थी। मुझे इंजेक्शन लग रहे थे। मेरा पूरा शरीर सूजा हुआ था। मेरे इमोशन बहुत ऊपर-नीचे हो रहे थे, क्योंकि शरीर में हार्मोनल चेंज हो रहा था। बॉडी में आइस पैड लगा-लगाकर सूजन कम करती थी। इतना दर्द होता था कि मैं उठ-बैठ नहीं पा रही थी लेकिन उस हालत में भी शो के लिए बिल्कुल थका देने वाला रनिंग सीक्वेंस पूरा किया। इसमें प्रोडक्शन हाउस ने बड़ा साथ दिया। मेरे डॉक्टर को लेकर आते थे। समय-समय पर इंजेक्शन दिलवाते थे। मेरे चेकअप्स के लिए समय से छोड़ देते थे। उन्होंने बहुत एडजस्ट किया। मैं बहुत फिजिकल पेन में थी। इसके अलावा इमोशनल भी हुई हूं, क्योंकि मेरा हार्मोन पूरा ऊपर-नीचे जा चुका था।

स्त्री 2 के गाने 'आज की रात' ने बदला तमन्ना का नजरिया

तमन्ना भाटिया ने हिंदी और दक्षिण भारतीय फिल्मों में बतौर हीरोइन काफी काम किया है। साथ ही वह डांस नंबर भी फिल्मों में करने लगी हैं। इसी साल फिल्म 'स्त्री 2' में उन्होंने एक आइटम सॉन्ग आज की रात किया था, इस गाने में उनके डांस मूव्स को काफी पसंद किया गया। यह गाना भी फिल्म की सफलता का एक अहम कारण रहा। इसी गाने के बारे में हाल ही में तमन्ना ने बताया फिर से बात की। उन्होंने बताया कि आज की रात गाने ने उनका अपने लिए ही नजरिया बदल दिया था।

खुद को पूरी तरह से स्वीकार किया

हाल ही में तमन्ना ने बताया कि जब वह छोटी थी तो उन्हें लगता था कि पतला होना ही फिट होना होता है। ऐसे में वह अपनी बॉडी को, फिगर को लेकर हमेशा कॉन्शस रही। लेकिन जब तमन्ना ने फिल्म स्त्री 2 का गाना 'आज की रात' किया तो उन्होंने खुद को फिगर, बॉडी को स्वीकार करने में मदद मिली। वह खुद की बॉडी को लेकर कॉन्शस नहीं हुई और अपने लिए काफी अच्छा महसूस करने लगी। इस तरह से 'आज की रात' ने उनका अपने लिए ही नजरिया बदला। यह गाना उनकी जिंदगी को बदलने वाला साबित हुआ। तमन्ना ने अपने आप को पूरी तरह से अब स्वीकार कर लिया है, वह अपनी फिगर को लेकर अब परेशान नहीं होती हैं।

सिकंदर का मुकद्दर में अभिनय करके खुश

इन दिनों तमन्ना भाटिया अपनी एक फिल्म सिकंदर का मुकद्दर को लेकर चर्चा में हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म है। इसमें उनके साथ जिमी शेरगिल और अविनाश तिवारी जैसे कलाकारों ने अभिनय किया है। हाल ही में यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है।

कविता कौशिक ने की विवेक ओबेराय की तारीफ

फेम एक्ट्रेस कविता कौशिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। अब उन्होंने सुपरस्टार सलमान खान पर नाम लिए बगैर निशाना साधने के साथ एक्टर विवेक ओबेरॉय की तारीफ की है। दरअसल सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रही थी, जिसमें विवेक की नेटवर्थ 1200 करोड़ रुपए बताई गई है। इस पोस्ट को अपने एक्स पर रीपोस्ट कर कविता ने विवेक की तारीफ करते हुए लिखा, एक शानदार एक्टर, अपनी वुमेन के लिए खड़े रहे, सबसे बड़े सच बोलने के खिलाफ लड़े, लेकिन हम एक देश के रूप में स्वैग, दादागिरी और रोस्टिंग से मंत्रमुग्ध रहे। कविता की ये पोस्ट वायरल हो रही है। लोग जबरदस्त तरीके से कमेंट कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि कविता साल 2020 में सलमान के शो 'बिग बॉस 14' में हिस्सा ले चुकी हैं। वहां घर में कविता कई कंटेस्टेंट से लड़ते हुए नजर आई थीं। उनकी एजाज खान, रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला से लड़ाई हुई थी। घर में कुछ समय तक रहने के बाद कविता ने खुद शो छोड़ने का फैसला किया था। कविता एक्टिंग की दुनिया से दूर हो चुकी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर टीवी छोड़ने की जानकारी दी थी। अब वह सोशल मीडिया पर ही नजर आती हैं।

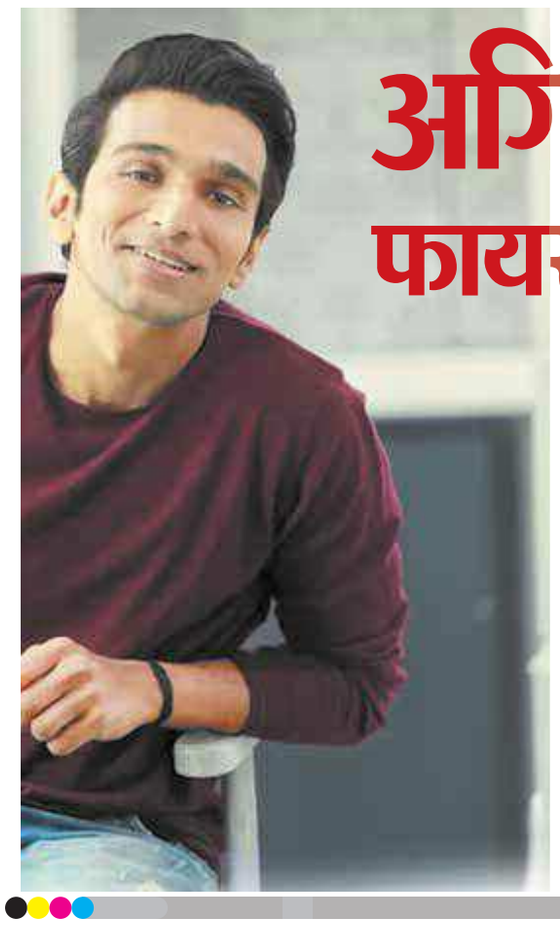

अग्नि के लिए रियल फायर फाइटर्स से ट्रेनिंग ली

फिल्म अग्नि ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर 6 दिसंबर को स्ट्रीम होगी। इसमें प्रतीक लीड रोल में हैं। उन्होंने एक खास मुलाकात में फिल्म से जुड़ने से लेकर तैयारी और सह-कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव आदि के बारे में बातचीत की....

फिल्म अग्नि से कैसे और क्यों जुड़े?

मुझे एक्सेल एंटरटेनमेंट से रितेश सिद्धवानी ने बुलाया था। मैं मिलने गया, तब वहां पर निर्देशक राहुल ढोलकिया भी थे। उन्होंने कहा कि हम साथ में काम करेंगे, तब मजा आएगा। स्क्रिप्ट सुनने के दौरान ही मुझे पूरी कहानी में नयापन लगा। आज तक किसी भी भाषा में फायर फाइटर्स पर कोई सिनेमा नहीं देखा। मैं सबसे ज्यादा खुश इस बात से हुआ कि किसी ने ऐसी कहानी के बारे में सोचा है, जिससे इस दुनिया को पहली बार दिखा पाएंगे। यह ऐसा थ्रिलर ड्रामा है, जिसमें न सिर्फ फायर फाइटर्स टीम का नया सब्जेक्ट है, बल्कि बहुत इंटरेस्टिंग थ्रिलर है।

पहली बार अग्निशमन दल पर बनी पूरी फिल्म के लिए खास तैयारी क्या रही?

हमें इसके लिए दो प्रकार की तैयारियां करनी थी। एक तो शारीरिक तौर पर और दूसरी यह कि इसमें जितने भी इक्यूपमेंट्स हैं, उन्हें कैसे हैंडल करते हैं। हमने मुंबई स्थित भायखला जाकर रियल फायर फाइटर्स के साथ 15-20 दिनों की प्रॉपर ट्रेनिंग ली।

ट्रेनिंग के दौरान कभी रियल फायर का सामना हुआ?

एक बार ट्रेनिंग कर रहे थे। उसी समय फायर अलार्म बजा। वे सब जा रहे थे, तब मैंने उनसे पूछा कि क्या हम सब साथ में आ सकते हैं। हम कुछ लोग उनके साथ मौका-ए-वारदात पर गए। उस समय एक मस्जिद में शार्ट सर्किट हो गया था। पूरा मीटर बॉक्स काला पड़ गया। थोड़ा-थोड़ा स्पार्क हो रहा था। यह छोटा-सा मामला था, पर जिस हिसाब से उसे हैंडल किया, वह काबिल-ए-तारीफ था। सेफ्टी के लिहाज से हमें नजदीक जाने की परमीशन नहीं थी, सो दूर से ऑब्जर्व किया। मैंने देखा कि मौका- ए-वारदात पर जाते हैं, तब न सिर्फ आग बुझाने का काम होता है, बल्कि काफी सारे पेपर वर्क भी होता है। लोगों से बातचीत भी करनी पड़ती है।

फिल्म के कलाकारों के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

इसमें जितने भी कलाकार हैं, उन सबके साथ काम करने का अनुभव बड़ा बेहतरीन रहा, क्योंकि सभी बड़े मझे कलाकार होने के साथ उत्साही भी हैं। हर फिल्म में कलाकार यही अनुभव करता और वह बोलता भी है लेकिन काम करने के दौरान हम लोगों के बीच जो दोस्ती बनी है वह लंबे समय तक कायम रहने वाली दोस्ती है। यह मेरी और दिव्येंदु की दूसरी फिल्म है। इस फिल्म को हमने पहले और उसके बाद मडगांव शूट किया था।

कहां-कहां शूट किए और शूटिंग में कितने दिन लगे?

यह पूरी फिल्म मुंबई में शूट हुई है और शूट करने में तकरीबन 45 दिन लगे हैं। फिल्म की कहानी के मुताबिक सेट बनाना बहुत जरूरी था, इसलिए फिल्मसिटी में सेट बनाया गया था।

गोविंदा के बिना बनेगी भागम भाग 2

प्रियदर्शन ने साल 2006 में फिल्म भागम भाग बनाई, जिसमें हंसी के जबर्दस्त तालमेल ने दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म में अक्षय कुमार, गोविंदा और परेश रावल की कॉमेडी पावरहाउस तिकड़ी मुख्य भूमिकाओं में थी। अब, दो दशक बाद इसके सीक्वल को लेकर चर्चा बढ़ रही है। हालांकि, गोविंदा ने हाल ही में खुलासा किया कि इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल के लिए उनसे संपर्क नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि क्या उन्हें फिल्म का हिस्सा बनने में दिलचस्पी है। गोविंदा ने हालिया इंटरव्यू में एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उन्हें कॉमेडी सीक्वल भागम भाग 2 के लिए नहीं चुना गया है। अभिनेता ने कहा, किसी ने भी भागम भाग 2 के लिए मुझसे संपर्क नहीं किया है या चर्चा के लिए नहीं बैठा है। मेरे बारे में सिर्फ भागम भाग 2 ही नहीं, बल्कि पार्टनर सहित कई अन्य सीक्वल से जुड़ने की भी कहानियां चारों ओर फैल रही हैं।